राष्ट्रीय दैनिक

बुद्ध का संदेश

हिन्दी समाचार पत्र

लखनऊ,कानपुर,कन्नौज,बरेली,सीतापुर,सोनभद्र,गोण्डा,बाराबंकी,बलरामपुर,श्रावस्ती,बहराइच,अम्बेडकरनगर,फैजाबाद, बस्ती, संतकबीरनगर,गोरखपुर,कुशीनगर,देवरिया,महराजगंज,सिद्धार्थनगर में एक साथ प्रसारित।

दैनिक बुद्ध का संदेश | 9795951917,9415163471 | @budhakasandesh | budhakasandeshnews@gmail.com | www.budhakasandesh.com

बुधवार, 05 अक्टूबर 2022 सिद्धार्थनगर संस्करण | www.budhakasandesh.com | वर्ष: 09 अंक: 286 पृष्ठ 8 आमंत्रण मूल्य 2/–रूपया

लखनऊ सुचीबद्ध कोड– SDR-DLY-6849, डी.ए.वी.पी.कोड–133569 | सम्पादक : राजेश शर्मा | उत्तर प्रदेश सरकार एवं भारत सरकार (DAVP) से सरकारी विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

जम्मू कश्मीर के जेल महानिदेशक की हत्या, आतंकी समूह लश्कर–ए–तैयबा की कश्मीर शाखा ने ली जिम्मेदारी

जम्मू। जम्मू–कश्मीर के डीजीपी (जेल विभाग) हेमंत कुमार लोहिया की हत्या की जिम्मेदारी लश्कर–ए–तैयबा की भारतीय शाखा, पीपुल्स एंटी–फासिस्ट फोर्स (पीएएफएफ) ने ली हैं। 57 वर्षीय लोहिया 3 अक्टूबर को जम्मू के बाहरी इलाके में अपने घर पर मृत पाए गए। पुलिस ने कहा कि उनका गला कटा हुआ था और उनके शरीर पर जलने के निशान थे। पुलिस को उनके घरेलू सहायक पर शक है। माना जा रहा है यह व्यक्ति लश्कर–ए–तैयबा के आतंकियों के साथ मिला था। हमारे विशेष दस्ते ने जम्मू कश्मीर में आतंकियों ने टारगेट किलिंग का सिलसिला पिछले काफी समय से शुरू कर रहा हैं। पुलिस ने कहा कि यासिर के रूप में पहचाने जाने वाले लोहिया की घरेलू सहायिका को मुख्य अपराधी माना जा रहा है। संदिग्ध ा की तलाश शुरू कर दी गई है। पुलिस सूत्रों ने कहा कि अपराध स्थल से बरामद सीसीटीवी फुटेज में संदिग्ध हत्या के तुरंत बाद भागता हुआ दिखाई दे रहा है। एक प्रेस विज्ञप्ति में आतंकी संगठन च।थ्थ् ने कहा, उदयवाला में एक खुफिया आध ारित ऑपरेशन को अंजाम दिया, जिसमें पुलिस महानिदेशक, जेल विभाग एचके लोहिया, एक उच्च मूल्य का लक्ष्य था।पीएएफएफ ने जम्मू और कश्मीर में हाल के सभी आतंकवादी हमलों का दावा किया है, जिसमें गैर–स्थानीय लोगों पर हमले भी शामिल हैं। इस तरह के और हाई–प्रोफाइल ऑपरेशनों को अंजाम देने की ध ामकी देते हुए, आतंकी समूह ने चेतावनी दी कि वह कभी भी और कहीं भी सटीकता के साथ

पीएएफएफ ने जम्मू–कश्मीर के तीन दिवसीय दौरे पर आए अमित शाह का जिक्र करते हुए कहा, गृह मंत्री के लिए यह एक छोटा सा उपहार है। 1992 बैच के आईपीएस अधिकारी हेमंत कुमार लोहिया जम्मू के बाहरी इलाके के रहने वाले हैं। पुलिस में स्थित अपने उदयवाला स्थित आवास पर मृत पाए गए। उन्हें अगस्त में डीजीपी जेल के रूप में तैनात किया गया था। उसके शरीर पर जलने के निशान भी मिले हैं। जम्मू क्षेत्र के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एडीजीपी) मुकेश सिंह ने कहा कि प्रथम दृष्टया यह हत्या का संदिग्ध मामला है। एडीजीपी ने कहा कि लोहिया का घरेलू सहायक यासिर फरार है। उसकी तलाश शुरू कर दी गई है। यासिर जम्मू–कश्मीर के रामबन जिले महानिदेशक दिलबाग सिंह ने कहा कि अपराध स्थल की प्रारंभिक जांच से संकेत मिलता है कि हत्यारे ने पहले लोहिया को मौत के घाट उतारा था और उसका गला काटने के लिए केचप की टूटी हुई बोतल का भी इस्तेमाल किया था। बाद में उन्होंने 57 वर्षीय लोहिया के शरीर को जलाने का प्रयास किया। पुलिस ने घटनास्थल से एकत्र सीसीटीवी फुटेज बरामद किया है, जिसमें कथित तौर पर यासिर को हत्या के बाद भागते छह महीने से घर में काम कर रहा था। सूत्रों ने कहा कि शुरुआती जांच में पता चला है कि वह अपने व्यवहार में काफी आक्रामक था और अवसाद में भी था। अब तक सूत्रों ने कहा कि कोई आतंकवादी कृत्य स्पष्ट नहीं है। किसी भी संभावना से इंकार करने के लिए गहन जांच की जा रही है। संदिग्ध की मानसिक स्थिति को दर्शाने वाले कुछ दस्तावेजी सबूतों के साथ अपराध ा के हथियार को जब्त कर लिया गया है।

जम्मू और कश्मीर में गुर्जर, बकरवाल, पहाड़ी समुदायों को आरक्षण का लाभ मिलेगा: शाह

राजौरी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को घोषणा की कि न्यायमूर्ति शर्मा आयोग की सिफारिशों के अनुसार जम्मू कश्मीर में गुर्जर, बकरवाल और पहाड़ी समुदायों को आरक्षण का लाभ मिलेगा। इस आयोग ने आरक्षण के मुद्दे पर विचार किया था। शाह ने यहां एक रैली को संबोधित करते हुए कहा कि गुर्जर, बकरवाल और पहाड़ी समुदायों के (अनुसूचित जाति) आरक्षण में कोई कमी नहीं आएगी और सभी को उनका हिस्सा मिलेगा। उन्होंने कहा कि 2019 में संविधान के अनुच्छेद 370 को समाप्त किए जाने से जम्मू कश्मीर में समाज के वंचित तबकों को आरक्षण का लाभ मुहैया कराने का मार्ग प्रशस्त हुआ है। शाह ने कहा, न्यायमूर्ति शर्मा आयोग ने सिफारिश की है और इसने एसटी आरक्षण के लाभ के लिए पहाड़ी, बकरवाल और गुर्जर को शामिल किया है। ये सिफारिशें मिल हुई हैं और कानूनी प्रक्रिया पूरी होने के तुरंत बाद, गुर्जर, बकरवाल और पहाड़ी समुदायों को आरक्षण का लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि कुछ लोगों ने पहाड़ी लोगों को एसटी का दर्जा दिए जाने के नाम पर गुर्जरों और बकरवालों को उकसाने का प्रयास किया लेकिन लोगों ने उनके इरादों को नाकाम कर दिया। गृह मंत्री ने जम्मू कश्मीर में विपक्ष पर हमला बोलते हुए कहा कि पहले सिर्फ तीन राजनीतिक परिवार

तत्कालीन राज्य पर शासन करते थे, लेकिन अब सत्ता उन 30,000 लोगों के पास है जो निष्पक्ष चुनाव के जरिए पंचायतों और जिला परिषदों के लिए चुने गए हैं। शाह ने कहा कि जम्मू कश्मीर का विकास प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा, ''पहले, केंद्र द्वारा जम्मू कश्मीर के विकास के लिए भेजे जाने वाला सारा पैसा कुछ लोग हड़प लेते थे लेकिन अब एक–एक पाई लोगों के कल्याण पर खर्च की जाती है।'' उन्होंने कहा, मैं आप लोगों से जम्मू कश्मीर को इन तीन परिवारों के चंगुल से आजाद कराने और जम्मू कश्मीर की बेहतरी एवं कल्याण के लिए मोदी के हाथों को मजबूत बनाने की अपील करना चाहता हूं। उन्होंने हालांकि तीन परिवारों का नाम नहीं लिया। शाह ने कहा कि आतंकवादियों के खिलाफ मोदी सरकार द्वारा की गई सख्त कार्रवाई के कारण जम्मू कश्मीर में सुरक्षा की स्थिति पहले से कहीं बेहतर हुई है। उन्होंने कहा कि इसके फलस्वरूप इस साल जान गंवाने वाले सुरक्षाकर्मियों की संख्या प्रति वर्ष 1,200 से कम होकर 136 रह गयी।

बिजली सब्सिडी मामले में एलजी ने दिए जांच के आदेश, केजरीवाल बोले– बीजेपी फ्री बिजली रोकना चाहती है

नई दिल्ली। दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने डीबीटी के माध्यम से बिजली सब्सिडी के भुगतान का क्रियान्वयन कथित रूप से नहीं होने की जांच करने के मुख्य सचिव को निर्देश दिए हैं। इसके बाद से इस पर राजनीति भी शुरू हो गई है। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि गुजरात को "आप" की फ्री बिजली गारंटी खूब पसंद आ रही है। इसलिए बीजेपी दिल्ली में फ्री बिजली रोकना चाहती है। दिल्ली के लोगों, भरोसा रखना। मैं आपकी फ्री बिजली किसी हालत में रुकने नहीं दूँगा। इसके साथ ही उन्होंने गुजरात के लोगों से कहा कि मैं आपको विश्वास दिलाता हूँ कि

सरकार बनने पर 1 मार्च से आपकी भी बिजली फ्री होगी। केजरीवाल ने आगे कहा कि आपने हर चीज पे इतना टैक्स लगा दिया। इतनी ज्यादा महंगाई कर दी। लोगों का खून चूस रहे हो। ऐसे में अगर मैं अपने लोगों की बिजली फ्री करके उन्हें थोड़ी राहत देता हूँ तो वो भी आपसे बर्दाश्त नहीं होता? वो भी आप रोकना चाहते हो? ये मैं किसी हालत में नहीं होने दूँगा। वहीं, मनीष सिसोदिया ने कहा कि दिल्ली गुजरात हारने का डर न जाने इनसे और कितनी फर्जी जाँच करवाएगा। उन्होंने आगे कहा कि जनता को फ्री बिजली न मिले इसके लिए भी जाँच की साजिश पर उतर आए।

अवकाश सूचना

दशहरा के शुभ अवसर पर आज दिनांक 05 अक्टूबर 2022 दिन बुधवार को बुद्ध का संदेश प्रेस/ कार्यालय बन्द रहेगा। अतः अगला अंक शुक्रवार 07 अक्टूबर 2022 को प्रकाशित होगा।

–प्रबन्धक

उत्तराखंड में दो जगह महिलाओं की रामलीला ने जीता दिल, हर किरदार निभाती हैं महिलाएं

देहरादून। भारत में सिनेमा की शुरुआत के

समय एक दौर ऐसा था जब फिल्मों या मंच पर महिलाओं के किरदार पुरुष निभाया करते थे। उस दौर के उलट आज के समय में महिलाएं हर कार्य करने में निपुण है। यही कारण है कि उत्तराखंड के पिथौरागढ़ और हल्दवानी में ऐसी रामलीलाओं का मंचन हो रहा है जहां रामायण का हर करिदार पुरुषों द्वारा नहीं बल्कि महिलाओं द्वारा निभाया जा रहा है। महिलाओं द्वारा अभिनीत इस रामलीला की काफी चर्चा हो रही है। अपनी इस विशेषता के चलते ये रामलीला काफी बहुचर्तित हो गई है। रामलीला के आयोजकों का कहना है कि महिला रामलीला का मंचन कोविड के बाद वर्ष 2021 में शुरू हुआ था। महिलाओं द्वारा आयोजित और अभिनीत इस रामलीला को लेकर आयोजकों ने कहा कि नई शुरुआत करने के उद्देश्य इस रामलीला को शुरू किया गया है। इस रामलीला के जरिए दर्शकों को भी नया अनुभव मिला है, जिससे पुरुष प्रधान सोच को तोड़ने में मदद मिली है। जानकारी के मुताबिक हल्दवानी में हो रही रामलीला में पांचवीं कक्षा से लेकर नौवीं कक्षा तक की बच्चियां रामायण के किरदार जैसे हनुमान, राम, लक्ष्मण, भरत जैसे मुख्य किरदार निभा रही है। नौवीं कक्षा में भावान श्री राम का किरदार निभाने वाली पूर्णिमा ने मीडिया से कहा कि, मेरा भाई रामायण में लक्ष्मण का किरदार निभाता था। उसी से प्रेरित होकर मैंने महिला रामायण के लिए ऑडिशन दिया, जिसके बाद मुझे राम का किरदार निभाने का मौका मिला। इस किरदार को निभाकर मैं काफी रोमांचित हूं। श्रीराम का किरदर निभाने से मुझे काफी नई बातें सीखने को मिली हैं, जो जीवन के लिए भी लाभदायक है। महीने भर तक किया अभ्यास: वहीं पिथौरागढ़ में होने वाली रामलीला में भी हर किरदार महिलाओं द्वारा निभाया जा रहा है। यहां रावण का किरदार गृहणी नीमा उप्रेती द्वारा निभाया गया है। उन्होंने मीडिया को कहा कि रावण का किरदार निभाने के लिए चयन होना भगवान का ही आशीर्वाद है।

कभी भी बड़े नेताओं से समर्थन की उम्मीद नहीं की, लेकिन हर किसी के साथ की जरूरत है: थरूर

तिरुवनंतपुरम। कांग्रेस अध यक्ष पद के उम्मीदवार शशि थरूर ने मंगलवार को कहा कि उन्होंने कभी भी पार्टी के बड़े नेताओं से समर्थन की उम्मीद नहीं की थी और अब भी नहीं करते हैं, लेकिन उन्हें सभी लोगों के साथ की जरूरत है। चुनाव प्रचार के लिए केरल पहुंचे थरूर ने यह बयान ऐसे समय पर दिया है जब प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष के. सुधाकरन ने सार्वजनिक रूप से यह घोषणा की है कि वह थरूर के प्रतिद्वंद्वी मल्लिकार्जुन खड़गे का समर्थन करेंगे। तिरुवनंतपुरम से लोकसभा सदस्य थरूर ने संवाददाताओं से कहा कि वह चुनाव से पीछे हटकर उन लोगों के साथ विश्वासघात नहीं करना चाहते जो अब तक उनका समर्थन करते आ रहे हैं। उन्होंने कहा, ''मैं पार्टी के बड़े नेताओं से किसी

तरह के समर्थन की उम्मीद नहीं कर रहा था और अब भी नहीं कर रहा हूं। वास्तव में, पिछले दिनों मैंने नागपुर, वर्धा और हैदराबाद में पार्टी के कार्यकर्ताओं से मुलाकात की थी। कार्यकर्ता मुझसे चुनाव लड़ने और इससे पीछे नहीं हटने के लिए कह रहे हैं।'' थरूर का कहना था, ''मैंने उन्हें भरोसा दिलाया है कि मैं पीछे नहीं हटूंगा। मैं उन लोगों के साथ विश्वासघात नहीं करूंगा जिन्होंने अब तक मेरा समर्थन किया है। मुझ पर उनका जो विश्वास है वही मुझे आगे बढ़ने की ताकत देता है।'' कांग्रेस सांसद के अनुसार, उनके ज्यादातर समर्थक युवा नेता हैं और पार्टी कार्यकर्ता हैं, हालांकि उन्हें हर किसी के समर्थन की जरूरत है। यह पूछे जाने पर कि क्या सुधाकरन की टिप्पणी उन लोगों को हतोत्साहित करने के लिए है जो उनका समर्थन कर रहे हैं, तो थरूर ने कहा, ''हो सकता है। लेकिन मैं ऐसा नहीं कर रहा हूं। मैं यह नहीं बता सकता कि लोगों के दिमाग में क्या चल रहा है। मैं सिर्फ एक चीज कहूंगा कि चाहे कोई कुछ गुप्त रूप से कहे या सार्वजनिक रूप से कहे, मतदान गोपनीय है।'' उन्होंने कहा, ''कोई नहीं जान पाएगा कि किसने किसे वोट दिया। लोग अपनी मर्जी और विश्वास के अनुसार मतदान कर सकते हैं।

पहाड़ी समुदाय को एसटी दर्जा देने पर PDP, NC के दो नेता भाजपा में शामिल होने को तैयार

जम्मू। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) और नेशनल कांफ्रेस (नेकां) के दो प्रमुख नेताओं ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल होने की इच्छा जताई है। हालांकि, इसके लिए उन्होंने पहाड़ी समुदाय को केंद्र सरकार द्वारा अनुसूचित जनजाति का दर्जा दिए जाने की शर्त रखी है। सूत्रों ने बताया कि पीडीपी के राजौरी जिलाध्यक्ष तंजीम डार और नेकां के शफकत मीर ने सोमवार की रात केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की थी और उन्हें यह आश्वासन दिया। जम्मू एवं कश्मीर की तीन दिनों की यात्रा पर यहां पहुंचे शाह से पहाड़ी समुदाय के एक प्रतिनिधमंडल ने सोमवार को मुलाकात की थी। डार और मीर भी इस प्रतिनिधमंडल में शामिल थे। शाह से मुलाकात करने वालों में गूर्जर और बकरवाल, सिख, डोगरा समाज, युवा राजपूत सभा और अमर क्षत्रिय राजपूत सभा के प्रतिनिधमंडल भी शामिल थे। ज्ञात हो कि पहाड़ी समुदाय अनुसूचित जनजाति का दर्जा दिए जाने की मांग कर रहा है और उसे स्थानीय भाजपा नेताओं का समर्थन भी हासिल है। गूर्जर और बकरवाल समुदाय, पहाड़ी समुदाय को इस प्रकार का दर्जा दिए जाने के किसी भी कदम का विरोध कर रहा है। उसका तर्क है कि संविधान के तहत अनुसूचित जनजाति का दर्जा दिए जाने के लिए आवश्यक अहर्ताओं पर पहाड़ी समुदाय फिट नहीं बैठता।

एलएसी पर चीनी गतिविधियों से निपटने के लिए उपयुक्त कदम उठाए हैं : वायु सेना प्रमुख

नयी दिल्ली। एयर चीफ मार्शल वी आर चौधरी ने मंगलवार को कहा कि भारतीय वायु सेना ने पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर चीनी गतिविधियों से निपटने के लिए ''तनाव न बढ़ाने वाले'' उपयुक्त कदम उठाए हैं। आठ अक्टूबर को वायु सेना दिवस के मद्देनजर एक संवाददाता सम्मेलन में उन्होंने यह भी कहा कि वैश्विक स्तर पर हाल के घटनाक्रम किसी भी चुनौती से निपटने के लिए मजबूत सेना की आवश्यकता को बताते हैं। एयर चीफ मार्शल चौधरी ने कहा कि भारतीय वायु सेना ''सबसे खराब स्थिति'' समेत सभी तरह की सुरक्षा चुनौतियों के लिए तैयारी कर रही है और वह

किसी भी स्थिति का सामना करने के लिए पूरी तरह तैयार है। उन्होंने कहा, ''हम सक्रिय रूप से तैनात और सतर्क रहते हैं।'' उन्होंने कहा कि भारतीय वायु सेना एलएसी पर चीन की सभी गतिविधियों पर नजर रखती रहेगी। चीन द्वारा एलएसी के समीप लड़ाकू विमान उड़ाने की हाल की घटनाओं के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि तनाव ना बढ़े, इसके लिए उपयुक्त कदम उठाए गए हैं और पड़ोसी देश को एक संदेश दिया गया है। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि स्थिति तभी सामान्य मानी जाएगी जब पूर्वी लद्दाख में यथास्थिति बनायी जाएगी और गतिरोध वाले सभी बिन्दुओं से सैनिकों को पूरी तरह से हटा लिया जाएगा। तीनों सेनाओं की महत्वाकांक्षी एकीकरण योजना का जिक्र करते हुए चौधरी ने कहा कि भारतीय वायु सेना भविष्य के युद्धों के लिए सहयोगी सेनाओं के एक साथ मिलकर काम करने की अनिवार्यता को समझती है।

श्रीराम मंत्र महायज्ञ में डाली जाएंगी 1 करोड 30 लाख आहूतियां

501 जापको द्वारा 13 करोड़ षड़ाक्षर श्री राम मंत्र का भी होगा जप

अयोध्या। मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम की पावन नगरी अयोध्या में श्रीराम के भव्य मंदिर निर्माण के साथ अयोध्या में बुधवार से प्रारंभ हो रहा श्रीराम मंत्र महायज्ञ। जिसमें 1 करोड 30 लाख आहूतियां डाली जाएंगी साथ ही 501 जापको द्वारा 13 करोड़ षड़ाक्षर श्री राम मंत्र का जप भी होगा। कार्यक्रम की सारी तैयारियां पूरी कर ली गई है। महोत्सव का भव्य शुभारंभ 5 अक्टूबर बुधवार से होगा। जिसमें लाखों रामभक्त सिर पर कलश, पोथी लेकर नाचते गाते निकलेंगे। इस यात्रा की अगुवानी रामनगरी समेत पूरे भारत से आये विशिष्ट संत धर्माचार्य करेंगे।कलश यात्रा में बैड बाजे हाथी घोड़े के मध्य 2 दर्जन रथों पर भवगान के स्वरूप समेत अति विशिष्ट धर्माचार्य विराजमान होकर निकलेंगे। दिव्य यात्रा पर जगह जगह नगर वासी पुष्प वर्षा करेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्रीमद जगद्गुरु रामानंदाचार्य स्वामी श्रीवल्लभाचार्य महाराज जी कर रहें। महोत्सव के लिए रामबल्लभाकुंज में विशाल 9 मंजिलें का यज्ञ मंडप बनकर तैयार हो गया है। साथ ही जानकी घाट बड़ा स्थान में कथा मंडप भी बनकर तैयार हो गया है। कार्यक्रम की जानकारी देते हुए श्रीमद जगद्गुरु रामानंदाचार्य स्वामी श्रीवल्लभाचार्य ने बताया गौरांग महाप्रभु प्रेमावतार हमारे श्री गुरुदेव सरकार श्री रामहर्षण देवाचार्य महराज द्वारा संपन्न श्रीमंत्र राज अनुष्ठान के रजत जयंती समारोह पर यह आयोजन हो रहा। महोत्सव का भव्य शुभारंभ 5 अक्टूबर बुधवार को कलश यात्रा के साथ होगा। जिसमें लाखों रामभक्त शामिल होगे। कार्यक्रम में 11 से 13 अक्टूबर तक अंतरराष्ट्रीय विश्वस्तरीय विराट संत सम्मेलन होगा। देश के सभी संप्रदाय के सभी धर्माचार्य इस सम्मेलन में उपस्थित होंगे साथ ही उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराएंगे। उन्होंने बताया कि 5 अक्टूबर से 13 अक्टूबर तक डॉ राजेंद्रदेवाचार्य महाराज की श्रीमद्भागवत महापुराण कथा श्री रामचरितमानस का पाठ श्रीमद् बाल्मीकि रामायण व प्रेम रामायण का पाठ और वृंदावन की प्रसिद्ध चौतन्य महाप्रभु की लीला भी होगी।

पिता की हत्या में आरोपित पुत्र गया जेल

बीकापुर–अयोध्या। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम पंचायत भावापुर में लगभग 60 वर्षीय सियाराम निषाद की हत्या में पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी। .पुलिस ने हत्या करने वाले उसके इकलौते बेटे को गिरफ्तार कर आईपीसी की धारा 304 के तहत गिरफ्तार कर जेल भेजा। कोतवाल सुमित कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि बीते शनिवार की रात भावापुर मजरे ढेपहवा गांव से सूचना मिली थी कि बेटे ने डंडों से पीटकर पिता सियाराम निषाद को मौत के घाट उतार दिया। सूचना पाकर मौके पर भेजी गई पुलिस टीम ने ग्रामीणों से पूछताछ के बाद प्रथम दृष्टया मामला संदिग्ध लगा। इसके बाद पुलिस टीम ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना के बाद कुछ लोगों को पुलिस ने पूछताछ के लिए उठाया तो हकीकत सामने आ गई। कोतवाल सुमित कुमार श्रीवास्तव ने उक्त जानकारी देते हुए बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट में शरीर के कई अंगों पर अंदरूनी गंभीर चोटें आने के चलते 60 वर्षीय सियाराम निषाद की मौत होने की पुष्टि हुई है। शनिवार की देर शाम को ग्राम पंचायत भावापुर से ग्रामीणों के द्वारा दूरभाष पर बताया गया कि ढेपहवा गांव में सियाराम निषाद के पुत्र ने अपने ही पिता को डंडों से पीट–पीटकर हत्या कर दी है। घटना की जानकारी मिलते ही हल्का दरोगा राम प्रकाश मिश्रा सिपाहियों के साथ स्थल पर पहुंचकर जांच पड़ताल करते हुए लाश को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हाउस रात में ही भिजवा दिया। पीएम रिपोर्ट आने के बाद घटना की पुष्टि हुई कि मृतक का पुत्र चंद्रभान निषाद अपने पिता को डंडों से पीट–पीटकर मार डाला है जिस को गिरफ्तार कर धारा 304 आईपीसी में जेल भेजने की कार्रवाई की गई। वादी मुकदमा दरोगा राम प्रकाश मिश्रा ने उक्त जानकारी देते हुए बताया कि पीएम रिपोर्ट में 60 वर्षीय सियाराम निषाद को अंदरूनी कई जगहों पर गंभीर चोटें आई है। फेफड़े में गंभीर चोट लगने से एक लीटर खून फेफड़े के अंदर पाया गया। पिता के हत्यारे पुत्र को पकड़ कर जेल भेजने की कार्रवाई की गई।

कुष्ठ रोगियों के प्रति न रखें छुआछूत की भावनाः डॉ मंजूषा

अयोध्या। जिले की वरिष्ठ स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ डॉक्टर मंजूषा पांडे ने शहर के कुष्ठ आश्रम में पहुंचकर कुष्ठ रोगियों के साथ गांधी जयंती मनाई। इस दौरान उन्होंने 50 कुष्ठ रोगियों को कंबल, फल व दवाएं वितरित किया। इस मौके पर मौजूद लोगों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि कुष्ठ रोगी हमारे बीच के ही सदस्य हैं, उन्हें तिरस्कृत ना करें, उनके प्रति अपने मन में किसी तरह की दुर्भावना व छुआछूत की अवधारणा ना रखें, बल्कि उनकी हर संभव मदद करें। कहा कि लोगों के तिरस्कार का नतीजा ही है कि वह लोग अपने रोग को छिपाते हैं और उसका उपचार भी नहीं कराते। जबकि, यदि वह उपचार कराएं तो कुष्ठ रोग ठीक भी हो सकता है। उन्होंने कहा कि इनकी मदद के लिए अन्य संस्थाओं को भी आगे आना चाहिए। बताया कि शीघ्र ही आश्रम में शिविर लगाकर रोगियों का स्वास्थ्य परीक्षण का भी किया जाएगा।

एआईएमआईएम छोड़कर तौफीक ने थामा कांग्रेस का दामन

पूर्व सांसद निर्मल खत्री ने दिलाई कांग्रस पार्टी की सदस्यता

अयोध्या। एआईएमआईएम भदरसा नगर पंचायत अध्यक्ष तौफीक अहमद के नेतृत्व में सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने एआईएमआईएम छोड़कर पूर्व सांसद डॉ निर्मल खत्री के समक्ष कांग्रेस पार्टी का दामन थामा। इस अवसर पर सम्मिलित लोगों को संबोधित करते हुए पूर्व सांसद डॉ निर्मल खत्री ने कहा इतनी बड़ी तादाद में अल्पसंख्यक समुदाय का कांग्रेस पार्टी के प्रति झुकाव यह साबित करता है की कांग्रेस पार्टी ही अति पिछड़े एवं अल्पसंख्यक की आवाज दमदार और निडर तरीके से उठा सकती है तथा इनका हित कांग्रेस पार्टी में ही सुरक्षित है। श्री निर्मल खत्री ने कहा इस समय देश में उस विचारधारा के लोगों का शासन है जिन्होंने महात्मा गांधी की हत्या कराई, यह विचारधारा नफरत, विभाजन और तानाशाही की पोषक है। इन विचारधारा वाले व्यक्तियों के हाथ में हमारे देश का लोकतंत्र और संविधान सुरक्षित नहीं दिखाई पड़ता। श्री निर्मल खत्री ने कहा आज पूरे देश में आम आदमी के हितों की बात करने वाला सिर्फ एक नेता राहुल गांधी ही है बाकी विपक्षी दलों के मुखिया जहां सिर्फ चुनाव में ही सड़कों पर दिखाई पड़ते हैं वही हमारे नेता राहुल गांधी इस देश में पांव पसार रही वैमनस्यता के विरुद्ध और लोकतंत्र की रक्षा के लिए भारत जोड़ो यात्रा कर रहे हैं। जिला कांग्रेस अध्यक्ष अखिलेश यादव ने पार्टी में सम्मिलित हुए तौफीक अहमद को भदरसा नगर पंचायत का अध्यक्ष नियुक्त करते हुए सम्मिलित कार्यकर्ताओं को आश्वासन दिया की उनके हितों की रक्षा के लिए कांग्रेस पार्टी सदैव तत्पर रहेगी। ए आई एम आई एम छोड़कर कांग्रेस में आए नगर पंचायत अध्यक्ष तौफीक अहमद खान ने कहा कांग्रेस के अलावा सभी राजनीतिक दल अल्पसंख्यक समुदाय को सिर्फ अपना वोट समझते हैं उनके हितों की रक्षा तथा इस वर्ग में फैली गरीबी और पिछड़ेपन को दूर करने के लिए किसी भी राजनीतिक दल ने कोई ठोस प्रयास नहीं किया। सिर्फ कांग्रेस पार्टी मैं ही अल्पसंख्यक समुदाय का हित सुरक्षित है। इस अवसर पर ए आई एम आई एम छोड़कर कांग्रेस पार्टी में सम्मिलित होने वालों में प्रमुख रूप से तबरेज खान ,शरीफ शाह ,लुकमान अंसारी, मुनीर खान, मोहम्मद मोहसिन खान ,संतराम कोरी, इमाम रजा, मोहम्मद शकील खान, रज्जू कुरैशी आदि प्रमुख रहे। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष रामदास वर्मा ,कोषाध्यक्ष अब्दुल हकीम, सबी उल हसन पप्पू , शाहिद सिद्धकी, रामसनेही निषाद ,अखंड प्रताप यादव, राम मिलन यादव, रोहित यादव ,प्रदीप वर्मा, तनवीर अहमद आदि उपस्थित रहे।

बहू से हुए विवाद पर वृद्ध सास ने नदी में कूदकर दी जान

कानपुर। बिधनू खड़ेसर चौकी क्षेत्र के कड़री चंपतपुर में सुबह खाना बनाने को लेकर बहू से झगड़कर वृद्धा रिंद नदी में कूद गई। ग्रामीणों काफी मशक्कत के बाद वृद्धा का शव बाहर निकाला। स्वजन ने पुलिस को जानकारी दिए बिना शव अंतिम संस्कार के लिए ले गए। कड़री चंपतपुर निवासी किसान अमर सिंह यादव की पत्नी रामरानी (75) का सुबह इकलौती बहू केशकांती से खाना बनाने को लेकर विवाद हो गया। घर में पति और बेटे के न होने से सास–बहू के बीच विवाद ज्यादा बढ़ा गया। जिसके बाद गुस्से में वृद्धा गांव के बाहर से निकली रिंद में जा कर छलांग लगा दी। आसपास खेतों में काम कर रहे किसानों से शोर मचाते हुए नदी किनारे पहुंचे। शोर सुनकर ग्रामीणों के साथ पहुंचा इकलौता बेटा वीर सिंह नदी में कूदकर मां की तलाश करने लगा। करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद ग्रामीणों की मदद वृद्धा के शव को बाहर निकाल लिया गया। स्वजनों ने पुलिस को घटना की जानकारी को दिए बिना शव अंतिम संस्कार के लिए लेकर निकल रहे थे, तभी गांव पहुंची पुलिस ने शव कब्जे ले लिया। थाना प्रभारी योगेश कुमार सिंह ने बताया की शव कब्जे लेकर कार्रवाई की जा रही है।

जनपद के 55 दीनी मदरसों का हुआ सर्वे,शासन को सौंपी जाएगी रिपोर्ट

कानपुर। जनपद के 55 दीनी मदरसों का सर्वे हो चुका है। ज्यादातर बिना किसी सोसाइटी के चलते पाए गए हैं। यह जांच 20 अक्टूबर तक पूरी कर 25 को सर्वे रिपोर्ट शासन को सौंपी जाएगी। इसके बाद इन मदरसों के बारे में कोई निर्णय लिया जाएगा। नगर में 19 सितंबर को मदरसों का सर्वे शुरू हुआ था। जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी के नेतृत्व में शुरुआती चार दिनों में 20 मदरसों का सर्वे हुआ। शुक्रवार को मदरसों में अवकाश रहता है और विभाग बंद रहते हैं। इस कारण सात दिनों में केवल पांच दिन ही सर्वे हो सका। शुरुआती दौर में मदरसों का सर्वे काफी गहनता से किया गया। इसमें आय–व्यय से सम्बंधित कागजात और सोसाइटी, वक्फ अथवा किराए की जमीन सम्बंधी कागजात भी मांगे गए। इसके बाद इसमें लग रहे अधिक समय को देखते हुए कई टीमों का गठन किया गया तो सर्वे तेज हो सका। 55 मदरसों से पूरी जानकारी ली जा चुकी है। सप्ताह में अधिक अवकाश के कारण टीमों की संख्या बढ़ाकर 20 अक्टूबर तक इसे पूरा करने का लक्ष्य है। अब मदरसों से सभी 11 बिंदुओं पर आधारित पूरी जानकारी ली जा रही है। जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी पवन कुमार सिंह ने बताया कि सर्वे समय से पहले पूरा कर लिया जाएगा।

दिवाली और दशहरे को लेकर धारा 144 लागू

कानपुर। दिवाली और दशहरे को देखते हुए शहर के बाद अब ग्रामीण क्षेत्रों में भी धारा 144 लागू कर दी गई है। एडीएम फाइनेंस राजेश कुमार ने बताया कि तीन अक्टूबर से 31 नवंबर तक धारा 144 जिले के आउटर क्षेत्रों में लागू रहेगी। इसमें पांच या इससे अधिक व्यक्ति एकत्रित नहीं होंगे। जुलूस आदि नहीं निकाला जाएगा।

कन्या पूजन कर, प्रसाद वितरण

जौनपुर। विकास खंड मछलीशहर की ग्राम पंचायत करियांव स्थित अभिनव प्राथमिक विद्यालय मीरगंज में प्रधानाध्यापक संजय कुमार सिंह ने विद्यालय की कन्याओं का पैर धुलकर पूजन किया। इस सम्बन्ध में उन्होंने कहा कि ऐसा करने से समुदाय में कन्याओं के प्रति सकारात्मक सोच पैदा होगी। कार्यक्रम के पश्चात विद्यालय के समस्त बच्चों को प्रसाद के रूप में पूड़ी, खीर, सब्जी एवं फल वितरित किया गया और प्रत्येक कन्या को 11 रूपए का चढ़ावा चढ़ाया गया। कार्यक्रम में सहायक अध्यापक सुभाष मौर्य,नवीन सिंह,अमीरुल हसन,रामबहादुर यादव, नितेश सिंह,मुनवर यादव,विनय कुमार एवं रसोईयों ने सहयोग किया।

सुभाष नगर मां दुर्गा की प्रतिमा बनी आकर्षण का केंद्र बिंदु

दैनिक बुद्ध का संदेश

■ सच्चे मन से मनोकामना करने वालों की मां करती है मुरादे पूरी
■ श्री वैष्णो मंडल नवयुवक संघ मनकापुर 42 वर्षो से कर रहा आयोजन

बलरामपुर। कहते हैं जिस पर मां वैष्णो की कृपा को वह सबसे खुशनसीब होता है कुछ ऐसा ही मनकापुर के सुभाष नगर स्टेशन रोड पर 42 वर्षो से रखी जा रही नवरात्रि में मनमोहक आकर्षक मां दुर्गा की प्रतिमा रखने वालों को मां का सीधा आशीर्वाद प्राप्त है श्री वैष्णो मंडल नवयुवक समिति मनकापुर 1980 से मनमोहक दुर्गा पूजा का आयोजन करता है समिति के अध्यक्ष राजन सोनी एवं सचिव आशु सिंह की मानें तो सुभाष नगर स्टेशन रोड की सबसे आकर्षक दुर्गा प्रतिमा होती है पर मां का सीधा आशीर्वाद होता है उनके परिजन ने इसकी शुरुआत की थी आज दूसरी पीढ़ी में इसकी बागडोर संभाल कर लोग सीधा और मां से आशीर्वाद प्राप्त करते हैं मोहल्ले वासी एवं श्रद्धालुओं की इतनी आस्था है कि हर नवरात्र में जो कामना करते हैं उसको मां पूरी करती हैं पूरे विधि विधान से 9 दिन मां दुर्गा नौ देवी एवं भगवान भोलेनाथ मां पार्वती भगवान श्री गणेश महालक्ष्मी सरस्वती की आराधना की जाती है इसके साथ डांडिया एवं थाल सजावट आदि विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम करके मां की आराधना की जाती है जिसमें स्थानीय महिलाएं प्रतिभाग करती है मां दुर्गा के रूप में नन्हीं परी अन्वी सोनी का मनमोहक रूप देखकर स्थानीय लोग मंत्रमुग्ध रहते हैं कहते हैं इस नन्ही परी पर मां का आशीर्वाद प्राप्त है जो मां के रूप में मनमोहक छवि श्रद्धालुओं को आकर्षित कर अपनी उत्कृष्ट प्रतिभा को प्रदर्शित करती है इस कार्य में अध्यक्ष राजन सोनी मंत्री आशु सिंह कोषाध्यक्ष नीरज सिंह सोनू शर्मा रिशु जयसवाल की मुख्य भूमिका होती है अध्यक्ष ने बताया कि महा नवमी के दिन विशाल भंडारे के साथ मां की प्रतिमा का विसर्जन दशहरे के दिन किया जाता है।

जय जवान, जय किसान का नारा देने वाले प्रधानमंत्री को भूल गया कृषि विवि

–2 अक्टूबर का दिन महात्मा गांधी के जन्मदिन को लेकर ही याद रहा

मिल्कीपुर–अयोध्या। जय जवान जय किसान का नारा देने वाले देश के दूसरे प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के जन्मदिन पर आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय कुमारगंज शायद उन्हें भूल गया और केवल विश्वविद्यालय के प्रशासनिक अधिकारियों को 2 अक्टूबर का दिन महात्मा गांधी के जन्मदिन को लेकर ही याद रहा। सूत्रों के अनुसार यहां तक कि आजादी के बाद से स्थापित कृषि विश्वविद्यालय में इस बार राष्ट्रीय ध्वज भी नहीं फहराया जा सका। बताते चलें कि बीते 2 अक्टूबर को देश के सरकारी एवं गैर सरकारी प्रतिष्ठानों में आजादी के नायक राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं देश के दूसरे प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री का जन्मदिन धूमधाम से मनाया गया था सभी सरकारी प्रतिष्ठानों पर जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा ध्वजारोहण किया गया था इसी क्रम में कृषि विश्वविद्यालय कुमारगंज परिसर स्थित ऑडिटोरियम में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जयंती के शुभ अवसर पर परिचर्चा कार्यक्रम आयोजित किया गया जहां पोस्टर और बैनर से किसानों की आवाज बुलंद करने वाले देश के द्वितीय प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री का नाम तक बैनर पोस्टर से गायब रहा। जबकि परिचर्चा कार्यक्रम के तीन मुख्य बिंदु महात्मा गांधी का जीवन चरित्र विचारों एवं योगदान कृषि एवं ग्राम स्वराज तथा जैविक खेती मुख्य थे कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में अधिष्ठाता कृषि महाविद्यालय डॉ वेद प्रकाश सहित अन्य जिम्मेदार प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे। विश्वविद्यालय सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक कुलपति डॉ विजेंद्र सिंह के बाहर होने के चलते कार्यक्रम का कोऑर्डिनेटर मत्स्यकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ अनिल कुमार गंगवार को बनाया था। ऑडिटोरियम में आयोजित परिचर्चा कार्यक्रम में सबसे महत्वपूर्ण बात तो यह रही कि महात्मा गांधी के नाम का गुणगान करने वाले उद्बोधक वैज्ञानिक एवं प्रोफेसर किसानों के मसीहा लाल बहादुर शास्त्री के नाम का जिक्र करना तक भूल गए थे और उनकी उनकी सुधि तक नहीं रही। इस संबंध में जब विश्वविद्यालय के निदेशक प्रशासन एवं परिवीक्षण डॉ ए के सिंह से बात की गई तब वह शासन में बैठे होने की बात कह कर प्रकरण से कन्नी काट गए। फिलहाल विश्वविद्यालय में अबकी बार हुए इस अनोखे कृत्य को लेकर विश्वविद्यालय सहित समूचे क्षेत्र में चर्चाओं का बाजार गर्म है और सब के मुंह से विश्वविद्यालय के जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा देश के प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के जन्मदिन पर उनकी उपेक्षा किए जाने के सवाल तपाक से निकल रहे हैं।

आज होगा विसर्जन ट्रैक्टर ट्राली पर पूरी तरह प्रतिबंध,नहीं बैठ सकेंगी सवारियां

रौनाही पुलिस ने थाने के डिजिटल वालेंटियर ग्रुप पर डाला सरकारी निर्देश पिकप और मैजिक का करें प्रबंध

सोहावल–अयोध्या। माँ दुर्गा की प्रतिमाओं का विसर्जन कल 5 अक्टूबर को होना है। विसर्जन में बड़ी संख्या में आने वाले ट्रैक्टर ट्राली पर पूरी तरह प्रतिबंध लगा दिया गया हैस अब इन पर न मूर्तियां आ सकेंगी न इन्हें सवारी के रूप में प्रयोग किया जायेगा। मूर्तियों को घाट तक लाने के लिए पिकप और मैजिक जैसे वाहन की ब्यवस्था पूजा समितियों के आयोजकों को करनी होगी। रौनाही पुलिस ने तो अपने क्षेत्र में इस आदेश की प्रति भी सभी पूजा समितियों को उपलब्ध कराने की बात कही है स आदेश का उल्लंघन करने वालों पर मोटर यान अधिनियम के तहद करवाई भी हो सकती है। उन्नाव जनपद की दर्दनाक घटना के बाद उत्तर प्रदेश सरकार के निर्देश पर अपर पुलिस महा निदेशक यातायात एवम सड़क सुरक्षा उत्तर प्रदेश ने सभी जिलों के लिए इस संबंध में जो आदेश तीन दिन पहले जारी किया है स उसी का हवाला देते हुए इस वर्ष मूर्ति विसर्जन में भी ट्रैक्टर ट्राली का प्रयोग पूरी तरह प्रतिबंधित किया जाना बताया जा रहा है स एस पी ग्रामीण अतुल कुमार सोनकर ने कहा आदेश से तो स्पष्ट मनाही है सअभी क्लियर कराता हूँ तो रौनाही थाना प्रभारी निरीक्षक ने कहा कि ट्रैक्टर ट्राली पूरी तरह प्रतिबंधित होने की नोटिश सभी पूजा समितियों को उपलब्ध करा दी गयी है।

पूजा केंद्रों पर जाकर बताया जा रहा है सयही नही साथ में अग्नि शमन के प्रबंध भी मूर्ति के साथ करके आये। मूर्तियों को घाट तक लाने के लिए पिकप और मैजिक जैसे वाहनों का प्रबंध करना होगा। आदेश का उल्लंघन कार्रवाई का कारण बन सकता है। यह सरकारी फरमान पूजा समितियों के लिए एक नई परेशानी का सबब तो बनेगा ही इनकी जेब पर भी भारी पड़ेगा सअन्य वाहनों की तलाश व उपलब्धता के लिए अधिक कीमत भी पूजा समितियों को चुकानी होगी।

विजयदशमी को अयोध्या से रवाना होगी श्रीराम दिग्विजय रथयात्रा

–रथ यात्रा नेपाल से होते हुए 27 राज्य के 15000 किमी की दूरी 60 दिनों में तय करेगी

अयोध्या। आजादी के अमृत महोत्सव वर्ष में इस बार यूनाइटेड सोवियत की श्री रामदास मिशन संस्था विजयदशमी 5 अक्टूबर को अयोध्या से श्रीराम दिग्विजय रथयात्रा निकालेगी। यह रथ यात्रा पड़ोसी देश नेपाल से होते हुए कुल 27 राज्य के 15 हजार किलोमीटर की दूरी 60 दिनों में तय करेगी और गीता जयंती पर वापस अयोध्या लौट यात्रा का समापन होगा। यात्रा का उद्घाटन मंगलवार की शाम 4 बजे श्रीराम सत्संग भवन, संत तुलसीदास योग एवं प्राकृतिक चिकित्सालय परिसर में श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के अध्यक्ष मणिराम दास छावनी के महंत नृत्यगोपाल दास के हाथों होगा। जिसमें ट्रस्ट महासचिव चंपत राय विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहेंगे।यह जानकारी देते हुए रथ यात्रा के संरक्षक महंत कमलनयन दास और सांसद लल्लू सिंह ने बताया कि तैयारियां पूरी हो गई हैं। आकर्षक राम मंदिर मॉडल रूपी रथ रामनगरी अयोध्या पहुंच गया है।

उन्होंने बताया कि पूर्व में मिशन और केएनएचए तथा हिंदू ऐक्य वेदी केरल के संस्थापक जगतगुरु सत्यानंद सरस्वती, विश्व हिंदू परिषद और अखिल भारतीय संत समिति के सहयोग से वर्ष 2019 में रामेश्वरम से अयोध्या तक, वर्ष 2018 में अयोध्या से रामेश्वरम तक रामराज्य यात्रा और 1991 में उडुपी के मूकंबिका देवी मंदिर से कन्याकुमारी तक राम रथ यात्रा निकाली जा चुकी है। श्रीराम की दिग्विजय यात्रा के माध्यम से सरकार से इंडिया को भारत घोषित करने भारतीय शिक्षा में रामायण तथा असली इतिहास को शामिल करने की मांग की जाएगी। दिग्विजय यात्रा को अश्वमेघ यज्ञ की तर्ज पर विश्व कल्याण के लिए किया जा रहा है। विजयदशमी से गीता जयंती के बीच आयोजित इस रामराज्य रथ यात्रा के लिए समिति का गठन कर लिया गया है और तैयारियां शुरू हो गई हैं।

रामजानकी मंदिर परिसर में परंपरागत तरीके से सम्पन्न हुआ फलाहार कार्यक्रम

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़, सिद्धार्थनगर। शरदीय नवरात्रि दुर्गा अष्टमी के अवसर पर सोमवार को स्थानीय रामजानकी मंदिर परिसर में नगर अध्यक्ष बबिता कसौधन की अगुवाई में फलाहार कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में सांसद जगदम्बिका पाल समेत स्थानीय विधायक विनय वर्मा, राजा योगेन्द्र प्रताप सिंह, मंदिर महंत बाबा घनश्याम गिरि, निवर्तमान जिलाध्यक्ष हियुवा रमेश गुप्ता, पूर्व ब्लॉक प्रमुख कौशलेंद्र त्रिपाठी, निवर्तमान जिला महामंत्री अजय सिंह, हनुमानगढ़ी महंथ बाबा बलरामदास जी महाराज, पूर्व लोकसभा समन्वयक राममिलन त्रिपाठीभाजपा नेता योगेन्द्र जायसवाल, शिवपति इण्टर कालेज के प्राचार्य डॉ नलिनीकांत मणि त्रिपाठी, त्रिलोकी नाथ पाण्डेय आदि विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे। कार्यक्रम में पहुँचे मुख्य एवं विशिष्ट अतिथियों में रामजानकी मन्दिर में भगवान का दर्शनकर पूजन आदि किये। कार्यक्रम में आये बतौर मुख्य अतिथि व विशिष्ठ अतिथियों को माल्यार्पण कर कार्यक्रम की शुरुआत की गई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए संसद जगदम्बिका पाल ने कहा कि शीघ्र ही शोहरतगढ़ को सैनिक स्कूल मिलने वाला है। सिद्धार्थनगर जनपद 1 डिस्ट्रिक्ट 1 प्रोडक्ट के बाद सैनिक स्कूल के नाम से भी जाना जाएगा, यहाँ से पढ़ाई करके लोग उच्च पदों पर आसीन होंगे, 20 मिनट के संबोधन में उन्होंने स्व० सुभाष गुप्ता के कार्यकाल की बातों समेत विकास से संबंधित अनेक बातों को साझा किया। विधायक विनय वर्मा ने कहा कि मैं बोलने से ज्यादे कार्य करने में विश्वास रखता हूँ। शोहरतगढ़ की जनता की और यहाँ की डेवलेपमेंट को लेकर हर संभव प्रयास किये जायेंगे, उन्होंने यह भी कहा कि शोहरतगढ़ के सम्मान के साथ कभी भी समझौता नही किया जाएगा। इसके साथ ही कार्यक्रम को राजा योगेन्द्र प्रताप सिंह, मंदिर महंत बाबा घनश्याम गिरि, निवर्तमान जिलाध्यक्ष हियुवा रमेश गुप्ता, पूर्व ब्लॉक प्रमुख कौशलेंद्र त्रिपाठी, निवर्तमान जिला महामंत्री अजय सिंह, हनुमानगढ़ी महंथ बाबा बलरामदास जी महाराज, भाजपा नेता योगेन्द्र जायसवाल, शिवपति इण्टर कालेज के प्राचार्य डॉ नलिनीकांत मणि त्रिपाठी, त्रिलोकी नाथ पाण्डेय, सुनील अग्रहरि आदि भी कार्यक्रम को संबोधित किया। कार्यक्रम का संचालन करते हुए अध्यक्ष प्रतिनिधि सौरभ गुप्ता ने कहा कि वह अपने पिता स्व० सुभाष गुप्ता के पदचिन्हों पर चलकर विकास की सृंखला बनाएंगे। मूलभूत आवश्यकताओं में पानी, सड़क समेत वैवाहिक भवन के निर्माण को लेकर अनेक बातों को साझा किया। इस दौरान दुर्गा पूजा संचालन समिति पंकज कुमार पांडेय आदि मौजूद रहे।

■ सैनिक स्कूल से होंगी सिद्धार्थनगर की पहचानः सांसद पाल
■ बोलने से ज्यादे कार्य करने में विश्वास रखता हूँः विधायक विनय वर्मा

शोहरतगढ़ तहसील सभागार में दुर्गा पूजा आयोजकों की बैठक

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। तहसील सभागार में दशहरा पर्व को सकुशल सम्पन्न कराने के लिए एसडीएम उत्कर्ष श्रीवास्तव, सीओ जयराम, ईओ नवीन कुमार सिंह व इंस्पेक्टर पंकज कुमार पांडेय की अगुवाई में दुर्गा पूजा संचालन समिति के पदाधिकारियों समेत पाण्डाल आयोजको की एक बैठक बुलाई गई। कार्यक्रम का संचालन करते हुए प्रभारी निरीक्षक पंकज कुमार पांडेय ने कहा कि शस्त्रपूजन व दशहरा पर्व में इस बात का ध्यान रखा जाय कि संचालन में राजनीतिक बाते न हो, केवल धार्मिक बातें ही रहे। सभी पाण्डाल आयोजक कमेटी द्वारा दी गयी नम्बरिंग के साथ चले, जिसको नम्बर नही मिल पाया है, वह बिना बताए ही पीछे हो जाये, रुट पर किसी प्रकार की चेंजिंग न हो। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि ट्राली पर न बैठें व न ही किसी को बैठने दे, शराब का सेवन न करें। सोसलमीडिया पर किसी प्रकार की आपत्तिजनक बातें पोस्ट न हो, जिससे कि पर्व में खलल पैदा हो। बहरहाल उन्होंने यह कहा कि कार्यक्रम को लेकर किसी प्रकार का संशोधन नही है, पूर्व कार्यक्रम के अनुसार ही सभी कार्यक्रमों को सम्पन्न कराए। पूर्व की भाँति कार्यक्रम का संचालन करें, साथ ही हिदायत दी कि कार्यक्रम संचालन धार्मिक उन्मादी बातें न हो। बैठक में आये सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि दुर्गा पूजा संचालन समिति के अध्यक्ष सौरभ गुप्ता ने कहा कि पर्व की भव्यता ही हमारी पहचान है। पर्व को सकुशल सम्पन्न कराने के लिए उन्होंने सभी वरिष्ठजनों से सहयोग की अपील की है। इस दौरान श्यामसुंदर चौधरी, मनोज कुमार गुप्ता, विकास अग्रवाल, राम प्रसाद चौरसिया, सोनू निगम, राजेश कुमार कसौधन, महेश गुप्ता, अनूप कसौधन, विशुनदेव तिवारी, शिवरतन कन्नौजिया, चंदन पाण्डेय, रंजीत चौधरी, राजेश अग्रहरि, विजय सिंह, संजीव पाण्डेय, डॉ प्रमोद पाण्डेय, घनश्याम गुप्ता समेत प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे।

■ एसडीएम व सीओ की अगुवाई में सम्पन्न हुई दुर्गा पूजा संचालन समिति के पदाधिकारियों समेत आयोजकों की बैठक
■ स्थानीय प्रशासन ने त्योहारों को सकुशल सम्पन्न कराने की, की अपील

मेरे घर में मुसीबत का कोई कोना नहीं होता–डा0गोविन्द

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। है हर दम मेरे सर पर हाथ मेरी माँ की दुआओं

का, मेरे घर में मुसीबत का कोई कोना नहीं होता. माँ को समर्पित यह सुंदर पंक्तियाँ जनपद के वरिष्ठ एवं लोकप्रिय कवि डाक्टर गोविन्द ओझा ने सोमवार की शाम मधुकर पुर में आयोजित कवि सम्मेलन में प्रस्तुत कीं. श्री वैष्णव देवी नवयुवक दुर्गा पूजा समिति द्वारा आयोजित कवि सम्मेलन का शुभारंभ जनपद के सुविख्यात कवि विजय कृष्ण नारायण सिंह द्वारा प्रस्तुत सुमधुर देवी गीत से हुआ. अपनी बारी में जनपद के ख्यातिलब्ध कवि डाक्टर विनयकांत मिश्र ने राम– रावण समर को अपनी कविता के माध्यम से जीवंत किया. डाक्टर विनयकांत मिश्र ने दुर्गा मां के सभी रूपों को समर्पित कविता प्रस्तुत कर श्रोताओं को श्रद्धा से ओतप्रोत किया. संचालन कर रहे नियाज कपिलवस्तुवी द्वारा प्रस्तुत आपसी प्रेम और मानवता आधारित रचनाएँ भी खूब पसंद की गईं. कार्यक्रम में आयोजन समिति के अध्यक्ष सुनील गुप्ता, मुख्य यजमान लक्ष्मण गुप्ता, सहित राज्य कर्मचारी शिक्षक संयुक्त मोर्चा के जिलाध्यक्ष रामकरन गुप्ता सहित वरिष्ठ पत्रकार राजेश शर्मा,रोटेरियन कैलाशमणि त्रिपाठी,सुजीत जायसवाल,शुभम श्रीवास्तव,रामस्वरूप अग्रहरि, प्रहलाद, श्यामदेव, मुकेश, पिन्टू शुक्ला, दिलीप गुप्ता, टिकोरी सहित बड़ी संख्या में श्रोताओं की उपस्थिति रही।

रवि अग्रवाल ने शोहरतगढ़ नगरवासियों को दी 2 अदद सोलर लाइट

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। शोहरतगढ़ नगर पंचायत के वार्ड नंबर 4 से सभासद प्रतिनिधि एवं समाजसेवी रवि अग्रवाल ने

स्थानीय नगर पंचायत के नीबी दोहनी वार्ड में 2 अदद सोलर लाइट और लगवाया गया है। जिसको लेकर बधाइयों का तांता लगा रहा। उन्होंने सोसलमीडिया पर पोस्ट करते हुए लिखा कि लाइट जाने के बाद नीबी दोहनी में कुछ पॉइंट पर अंधेरा रहता था, अतएव पप्पू भैया आदि लोगों की मांग पर आदर्श नगर पंचायत के नीबी दोहनी में 2 अदद सोलर लगवाया गया। एक सर्वा माई स्थान के पास (इमली पेड़) व दूसरा हेमन्त गौतम जी के घर के सामने वाले मोड़ पर लगाया गया है, ताकि राहगीरों को कोई दिक्कत न हो। विदित हो इसके पूर्व भी नगर पंचायत के सीमा विस्तारित क्षेत्र अन्तर्गत नवसृजित वार्ड नम्बर 9 शिवनगर में शिव जी के मंदिर पर सोलर लाइट लगवाया गया था। शिवमंदिर पर सोलर लाइट लगने के बाद स्थानीय लोगों ने उनके इस कदम की खूब सराहना की थी। नगर के बाबू जी अंसारी, रवि वर्मा, दीपक वर्मा पंकज यदुवंशी आदि ने बधाई दी है।

मां दुर्गा के पंडाल के सामने कार्यक्रम में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार संगठन जिला इकाई द्वारा वृहद फल वितरण

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। पवित्र नवरात्र के अष्टमी तिथि में उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार संगठन जिला इकाई द्वारा सोमवार को मुख्यालय स्थित स्टेशन रोड स्थित राम जानकी मंदिर के सामने स्थापित श्री श्री नवसंघ दुर्गा पूजा समिति पर वृहद फल वितरण किया गया। जिसमें देर रात तक श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ती रही और संगठन के पदाधिकारियों द्वारा सभी में फल वितरण किया जाता रहा। कार्यक्रम का आरम्भ उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार संगठन जिला इकाई के पदाधिकारियों द्वारा मां जगत जननी दुर्गे का विधि विधान से पूजन अर्चन व आरती कर किया गया।

इस दौरान संगठन के जिलाध्यक्ष अजय कसौधन से समाज में सौहार्द को मजबूती मिलती है। साथ ही लोगों में समरसता का भाव जागृत होता है। सामाजिक संस्कृति को बचाने के लिए समय–समय पर विभिन्न कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है। इससे समाज में संस्कार और संस्कृति स्थापित हो रही है। वहीं उपाध्यक्ष राकेश दत्त त्रिपाठी ने कहा कि फलाहार कार्यक्रम में अमीर गरीब एक साथ बैठकर फलाहार करें ताकि हिन्दू सामाजिक एकता की मिसाल के रूप में पेश किया जाए। फलाहार के आयोजन से भेदभाव, छुआछूत जैसी कुरीतियों का सफाया होता हैं, समाज में आपसी प्रेम, भाईचारा एवं समरसता बढ़ती है। इस अवसर पर प्रदेश कार्य समिति सदस्य व जिला प्रभारी संजय कसौधन, महामंत्री भीमचन्द कसौधन, प्रेम प्रकाश श्रीवास्तव, संगठन मंत्री करुणेश जायसवाल, याहिया भाई, राम स्वरूप अग्रहरि, उमेश साहू, रिजवानुल्लाह, ओम प्रकाश आदि मौजूद रहे।

पल्टादेवी स्थान पर पूरे दिन लगा रहा हवन पूजन कार्य के लिये भीड़

मनोज चौबे/दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। नवरात्रि के समापन के दिन मां भगवती की उपवास रखने वाले श्रद्धालु, भक्तगण अपनी हवन पूजन कार्य सिद्ध

पीठ पल्टादेवी स्थान पर पूरे निष्ठा के साथ कराए। सीमाई क्षेत्र से लेकर पड़ोसी जिले के लोग अपनी आस्था को प्रकट करने पहुचें है, हवन कुंड में हवन कर कर अपने कुलो के प्रति मा भगवती से आराधना किये।माता स्थान पर दर्शन के लिये भक्तों की लंबी कतार लगी रही। चौकी प्रभारी वीरेंद्र कुमार कुँवर अपने हमराहियों संघ भक्तों की सुरक्षा व्यवस्था में लगे रहे। सीसीटीवी कैमरा अपनी कवच में सबकी निगरानी करता रहा। भक्तों से देवी स्थान प्रांगण भरा रहा।

पुलिस अधीक्षक ने मेले स्थल का किया निरीक्षण

दैनिक बुद्ध का संदेश

उसका/सिद्धार्थनगर। पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद ने कल दिन मंगलवार को मेले स्थल पर पहुंचकर निरीक्षण किया कई वर्षो से हो रहे दशहरा मेला के एक दिन पहले पहुंचकर जायजा लिया और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर दिशा निर्देश भी दिया है और पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद ने कहा कि मेला देखने वाले श्रद्धालुओं को कोई भी समस्या न हो इसके लिए सुरक्षा व्यवस्था के कड़े इंतजाम किए गए है साथ में थाना प्रभारी राजेश तिवारी और पायोहारी आश्रम के महंथ लाल बहादुर दास भी मौजूद रहे।

सम्पादकीय

वे उच्च शिक्षा से वंचित हैं । उनके लिए स्वास्थ्य सुविधाएं पर्याप्त नहीं हैं । उन्हें पर्वतीय क्षेत्रों में कठिन जीवन जीना पड़ता है । मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री आज कल नायक फिल्म के अनिल कपूर जैसा रोल अदा कर रहे हैं स्पश्चट में ही अधिकारियों को निलंबित कर रहे हैं । सरकार चलाने और तुरन्त निर्णय लेने के लिए ऐसा सख्त...

उत्तराखण्ड में अंकिता हत्या काण्ड

उन्नीस साल की एक लड़की अंकिता की हत्या को लेकर पूरा उत्तराखण्ड आग में उबल रहा है । इस गरीब परिवार की लड़की ने एक रिसोर्ट में कुछ दिन पहले ही रिसेप्शनिस्ट की नौकरी शुरू की थी । शायद उस पर कुछ दबाव था, जिसका उसने इंकार कर दिया था तो उसके मालिक ने अपने दो साथियों के साथ मिलकर नदी में ढकेल दिया और डूबने से उसकी मृत्यु हो गई । बाद में सरकारी प्रयास से तीन दिन बाद उसकी लाश बरामद की गई । रिसोर्ट के मालिक भाजपा के एक वरिष्ठ पदाधिकारी का लड़का है । इसी से उत्तराखण्ड की सरकार के ऊपर दबाव था कि तुरन्त कार्यवाही करें । सरकार ने रिसोर्ट पर बुलडोजर चला दिया इससे साक्ष्य मिट गये । लगता है सरकारी महकमा भी भाजपा के दबाव में शुरू में कुछ करना नहीं चाहता था । बाद में जनता के दबाव के कारण कार्यवाही करने का ढोंग किया जा रहा है । परन्तु इस घटना से लड़कियों को कुछ सबक लेना चाहिए । किसी के यहॉ नौकरी करने से पहले मालिक के चरित्र व उसकी प्रतिष्ठा के बारे में जॉच लेना चाहिए । फिर ऐसी जगह नौकरी नहीं करनी चाहिए जो स्थान मुख्य शहर, या मुख्य बाजार से दूर हो । जहॉ तक हो सकें अपनी नई नौकरी के स्थान की सूचना पुलिस थाने में दर्ज करा देनी चाहिए । साथ ही समय–समय पर अपने मोबाइल से अपने घरवालों को अपनी लोकेशन के बारे में बता देना चाहिये । जरा सी भी शंका होने पर तुरंत नौकरी के लालच में न पड़कर पुलिस और घर के बुजुर्गों की सलाह पर आगे की कार्यवाही करनी चाहिए । असल में लड़कियों के लिए भारत में कोई सुरक्षित स्थान नहीं है । यद्यपि वर्तमान केन्द्रीय सरकार मातृ देवो भव का मंत्र जपती रहती है । भाजपा की राज्य सरकारें भी बहुत कुछ सहृदय नहीं है । मामा कहलाना आसान है । पर मामा का धर्म निभाना बहुत मुश्किल है । हिन्दुओं और मुसलमानों में मामा को भांजी की शादी में बहुत कुछ देना होता है । हिन्दुओं में उसे भात कहते हैं । अभी हाल में 22 सितम्बर को रजिस्ट्रार जनरल ऑफ इण्डिया में भारत के 28 राज्यों और 8 केन्द्र शासित प्रदेशों में सेक्ट–रेडियो (लिंगानुपात) की संख्या घोषित की है । लिंगानुपात में प्रति एक हजार जीवित लड़कों में लड़कियों की संख्या हजार बतलाई जाती है । इस घोषणा के अनुसार सन् 2018– 2020 में यह लिंगानुपात 907 है, अर्थात् प्रति 1000 लड़कों में लड़कियों की संख्या 907 हैं । परन्तु कई राज्यों में यह संख्या बहुत कम है ।उत्तराखण्ड में जहॉ अंकिता के मामले को लेकर बवाल मचा हुआ है, वहॉ लिंगानुपात मात्र 844 है अर्थात् 1000 जीवित लड़कों में लड़कियों की संख्या मात्र 844 है जबकि केरल में यह संख्या 974 है । ग्रामीण उत्तर काशी जिले में यह संख्या 853 है जबकि 2017 में यह संख्या 862 थी अर्थात् नौ प्वाइंट की गिरावट आई है । 2017 से 2022 तक उत्तराखण्ड में भाजपा की ही सरकार थी जो उनकी नाकामी का प्रमाण है । देहरादून में आधारित एक स्वयंसेवी संस्था समाधान की निदेशिका रेण्ड का कहना है कि उत्तराखण्ड में लिंगानुपात गिरने का कारण मुख्य थे या महिलाओं का अधिकार विहीन होना है । उनका परिवार की संपदा में कोई अधिकार नहीं है । वे उच्च शिक्षा से वंचित हैं । उनके लिए स्वास्थ्य सुविधाएं पर्याप्त नहीं हैं । उन्हें पर्वतीय क्षेत्रों में कठिन जीवन जीना पड़ता है । मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री आज कल नायक फिल्म के अनिल कपूर जैसा रोल अदा कर रहे हैं स्पॉट में ही अधिकारियों को निलंबित कर रहे हैं । सरकार चलाने और तुरन्त निर्णय लेने के लिए ऐसा सख्त मुख्यमंत्री ही होना चाहिए । परन्तु उत्तराखण्ड में वास्तविक लाभ देने के लिए काफी योजना बनानी पड़ती है उसके लिए समय चाहिए । समय तो विपक्ष को कोसने में चला जाता है ।

अब तो कान खड़े हों!

जिस देश की आर्थिक वृद्धि में निजी उपभोग का योगदान 60 प्रतिशत है, उसके लिए यह खतरे की घंटी है। चूंकि कंपनियां कारोबार के नियम जानती हैं, इसलिए वे इस रूझान से चिंतित हैं। देश के कॉरपोरेट सेक्टर का एक बड़ा वो हिस्सा भी भारत के आर्थिक भविष्य को लेकर आशंकित है, जो फिलहाल मजे में है और जिसकी संपत्ति अभी बढ़ रही है। उसकी राय है कि अभी जो चमक है, वह टिकाऊ नहीं है। इसकी वजह यह है कि उपभोग और मांग का जमीनी आधार टूट रहा है। इस सेक्टर के बड़े अधिकारियों की ये राय अमेरिकी वेबसाइट ब्लूमबर्ग की एक स्टोरी में सामने आई है। ब्लूमबर्ग ने अपनी इस स्टोरी का भड़काऊ किस्म का यह शीर्षक दिया हैरू श्लग्जरी उत्पादों की बढ़ती मांग से बेनकाब हुई बढ़ती गैर–बराबरी।य इस स्टोरी ने भारतीय बाजार के इस ट्रेंड पर फिर रोशनी डाली है कि महंगी उपभोक्ता सामग्रियों की बिक्री में तेजी है, जबकि उसी उत्पाद की शुरुआती कीमत वाली सामग्रियां नहीं बिक रही हैं। मसलन, डेढ़ लाख कीमत वाले फ्रीज तो खूब बिक रहे हैं, लेकिन 25 हजार से 75 हजार वाले फ्रीज के खरीदार गायब हैं। यानी कम आमदनी वाले ग्राहक हाशिये पर चले गए हैं और चार–पांच साल पहले की तरह उपभोग की उनकी क्षमता नहीं बची है। तो कंपनी अधिकारियों ने उचित ही यह कहा है कि जिस देश की आर्थिक वृद्धि में निजी उपभोग का योगदान 60 प्रतिशत है, उसके लिए यह खतरे की घंटी है। चूंकि कंपनियां कारोबार के नियम जानती हैं, इसलिए वे इस रूझान से चिंतित हैं। वैसे ये साधारण नियम तो सरकार के मंत्री और अधिकारी भी जरूरत जानते होंगे। लेकिन वर्तमान सरकार में उन्हें मुख्य जिम्मेदारी हेडलाइन मैनेजमेंट की सौंपी गई है। इसलिए वे निराशानजक आर्थिक आंकड़ों के भीतर भी उम्मीद जगाने वाले तथ्य ढूंढने और उसके आधार पर खुशहाली का नैरेटिव प्रचारित करने में जुटे रहते हैं। अगर यह साफ है कि सरकार का ये तरीका वर्तमान के साथ–साथ देश के भविष्य को भी बिगाड़ रहा है। अब बढ़ती महंगाई के कारण लोगों की वास्तविक आय और घट रही है। इस कारण उन्हें अपनी आमदनी का अपेक्षाकृत अधिक हिस्सा भोजन जैसी बुनियादी जरूरत पर खर्च करना पड़ रहा है। ऐसे में वे बाकी चीजों का उपभोग कैसे करेंगे यह कान खड़े कर देने वाली हालत है। लेकिन क्या अब सरकार के कान खड़े होंगे

खडगे से कांग्रेस को कितना फायदा

इसके अलावा खडगे की वरिष्ठता के कारण पार्टी के समान विचारधारा वाली पार्टियों के साथ तालमेल की बात में भी आसानी होगी। खडगे आसानी से सभी के साथ अच्छे संबंध बना लेते हैं। ऊपर से पिछले आठ साल से दोनों सदनों के नेता के तौर पर उन्होंने सभी विपक्षी नेताओं के साथ बेहतर तालमेल करके सरकार को घेरने का काम किया है। सो, सभी विपक्षी नेताओं के साथ उनके संवाद है और अच्छा ...

हरिशंकर व्यास

कांग्रेस के पास हर मर्ज की एक दवा मल्लिकार्जुन खडगे हैं। 2014 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस की ऐतिहासिक हार हुई तो खडगे लोकसभा में पार्टी के नेता बने। सिर्फ 44 सांसदों को लेकर लोकसभा में खडगे पांच साल भारी भरकम बहुमत वाली भाजपा से भिड़ते रहे। अगले लोकसभा चुनाव में खडगे खुद हार गए तो उनको राज्यसभा में भेज कर राज्यसभा का नेता बनाया गया। महाराष्ट्र में संकट हो तो खडगे आलाकमान के दूत बने और राजस्थान में जरूरत हुई तो खडगे ही दूत बन कर गए। और जब अध्यक्ष पद की पहली पसंद अशोक गहलोत रेस से बाहर हुए तो खडगे पार्टी अध्यक्ष के दावेदार बने। उन्होंने शुक्रवार को नामांकन भरने के आखिरी दिन नामांकन पत्र खरीदा और अध्यक्ष पद के लिए परचा भरा। एक दिन पहले तक सबसे प्रबल दावेदार बताए जा रहे दिग्विजय सिंह ने शुक्रवार की सुबह अपने को रेस से अलग किया। वे खडगे के प्रस्तावक बने। अब अध्यक्ष पद के लिए दक्षिण भारत के दो नेताओं के बीच मुकाबला है। कर्नाटक के मल्लिकार्जुन खडगे और केरल के शशि थरूर ने अध्यक्ष पद के लिए परचा भरा है। चूंकि खडगे अघोषित रूप से पार्टी आलाकमान के उम्मीदवार हैं इसलिए उनका चुना जाना औपचारिकता भर है। दिलचस्पी सिर्फ इतनी है कि थरूर कितना वोट ला पाते हैं। इससे पहले वाले चुनाव में सोनिया के खिलाफ जितेंद्र प्रसाद को 94 वोट मिले थे। उससे पहले सीताराम केसरी के खिलाफ शरद पवार को 882 और राजेश पायलट को 354 वोट मिले थे। थरूर कितना वोट हासिल कर पाते हैं और जी–23 गुट के कितने नेता उनकी मदद करते हैं यह देखने वाली बात होगी। अब सवाल है कि खडगे के कांग्रेस अध्यक्ष बनने से क्या सधेगा कांग्रेस को उनसे कितना फायदा होगा यह बिना किसी हिचक के कहा जा सकता है कि खडगे से कांग्रेस को कोई फायदा अगर नहीं होता है तो कोई नुकसान भी नहीं होगा। गांधी परिवार के साथ कोई टकराव नहीं होगा। वे आलाकमान के हिसाब से ही काम करेंगे। जहां तक फायदे की बात है तो कांग्रेस को बड़ा फायदा यह हो सकता है कि अगले साल मई में कांग्रेस कर्नाटक का चुनाव जीत जाए। खडगे कर्नाटक की राजनीति का बड़ा चेहरा रहे हैं। वे नौ

बार विधानसभा का चुनाव जीते हैं। बतौर राष्ट्रीय अध्यक्ष वे कर्नाटक में कांग्रेस के लिए प्रचार करेंगे तो कांग्रेस को फायदा होगा। अगर कांग्रेस उनके नाम पर कर्नाटक में जीतती है तो यह बहुत बड़ी बात होगी। इसके अलावा लोकसभा चुनाव में भी कर्नाटक में कांग्रेस का प्रदर्शन सुधर सकता है। पिछले चुनाव में कांग्रेस सिर्फ एक सीट जीत पाई थी और राज्य की 28 में से 25 सीटों पर भाजपा जीती थी। खडगे के अध्यक्ष बनने से अगर वहां कांग्रेस का प्रदर्शन सुधरता है तो भाजपा को नुकसान होगा यह कांग्रेस के लिए दोहरे फायदे की बात होगी। कांग्रेस को हमेशा दक्षिण भारत से मदद मिलती रही है। जब भी कांग्रेस कमजोर हुई है तो दक्षिण भारत से उसकी वापसी हुई है– खास कर कर्नाटक से। इंदिरा गांधी भी 1977 में जब हारी थीं तब वे कर्नाटक के चिकमंगलूर से चुनाव लडने गई थीं। सोनिया गांधी भी बेल्लारी से जाकर चुनाव जीत चुकी हैं। अब भी कांग्रेस के 52 में से आधे ज्यादा सांसद दक्षिण भारत के ही हैं। केरल और तमिलनाडु में कांग्रेस को पिछली बार बड़ी जीत मिली थी। इस बार फिर कांग्रेस उम्मीद कर रही है कि दक्षिण भारत के राज्यों में उसका प्रदर्शन बेहतर होगा। दक्षिण भारत का राष्ट्रीय अध्यक्ष होने से कांग्रेस की उम्मीद पूरी हो सकती है। खडगे से दूसरा फायदा उनके दलित होने और सबसे वरिष्ठ होने की वजह से है। हालांकि कांग्रेस ने पहली बार पंजाब में दलित मुख्यमंत्री बना कर भी एक मैसेज दिया था लेकिन वहा वह फेल हो गई थी। इसके बावजूद पार्टी ने दलित राष्ट्रीय अध्यक्ष बना कर बड़ा संदेश दिया है। इसका असर पूरे देश में हो सकता है। इसके अलावा खडगे की वरिष्ठता के कारण पार्टी के समान विचारधारा वाली पार्टियों के साथ तालमेल की बात में भी आसानी होगी। खडगे आसानी से सभी के साथ अच्छे संबंध बना लेते हैं। ऊपर से पिछले आठ साल से दोनों सदनों के नेता के तौर पर उन्होंने सभी विपक्षी नेताओं के साथ बेहतर तालमेल करके सरकार को घेरने का काम किया है। सो, सभी विपक्षी नेताओं के साथ उनके संवाद है और अच्छा संबंध है। सब उनका आदर करते हैं। इसलिए वे विपक्षी एकता के मामले में भी वे कांग्रेस के काम आने वाले हैं।

ओडीएफ से आगे-संपूर्ण स्वच्छ भारत की ओर

इसके तहत मुख्य लक्ष्य छह लाख ओडीएफ प्लस गांवों को बनाना और इसके साथ ही ऐसा करते हुए ग्रामीण भारत में रहने वाले लोगों को रोजगार मुहैया कराना एवं उनका आय स्तर बढ़ाना है। हमारे माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में देश के जिम्मेदार और गौरवान्वित नागरिकों के रूप में आइए हम सभी श्स्वच्छता से स्वाबलंबन के अपने प्रयासों के तहत...

गजेंद्र सिंह शेखावत

हमारे प्रधानमंत्री के 2 अक्टूबर, 2014 को लाल किले की प्राचीर से खुले में शौच से मुक्त (ओडीएफ) भारत निर्माण के स्पष्ट आह्वान के बाद, स्वच्छ भारत मिशन (एसबीएम) सिर्फ एक सरकारी कार्यक्रम नहीं रह गया, बल्कि यह एक जन आंदोलन बन गया। परिणाम दुनिया के सामने है। 2 अक्टूबर, 2019 तक 110 मिलियन शौचालयों का निर्माण हुआ और हमारी 550 मिलियन ग्रामीण आबादी को घरेलू स्वच्छता सुविधाओं तक पहुंच प्राप्त हुई, जिससे भारत ओडीएफ स्थिति और अन्य महत्वपूर्ण सामाजिक प्रभावों को हासिल करने में सक्षम हुआ। माननीय प्रधानमंत्री को उल्लेखनीय रूप से बेहतर स्वास्थ्य परिणामों और उसके बाद के आर्थिक लाभ के लिए बिल एंड मेलिंडा गेट फाउंडेशन के ग्लोबल गोल कीपर्स अवार्ड 2019 से सम्मानित किया गया। एक स्वस्थ राष्ट्र, एक सशक्त राष्ट्र होता है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मजबूत और दूरदर्शी नेतृत्व में, एसबीएम ने भारत को दुनिया की पांचवीं अग्रणी अर्थव्यवस्था बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। यूनिसेफ के एक स्वतंत्र अध्ययन में कहा गया है कि ओडीएफ गांवों में रहने वाले औसत परिवार ने प्रति वर्ष 50,000 रुपये का संचयी लाभ अर्जित किया, और नए शौचालय वाले घरों के संपत्ति–मूल्य में एक बार के लिए 19,000 रुपये की वृद्धि देखी गई। औसतन, नए घरेलू शौचालयों की कुल लाभ लागत से 4.7 गुना अधिक पाई गई। महात्मा गांधी की जयंती– 2 अक्टूबर को स्वच्छ भारत दिवस 2022 मनाने के क्रम में, एसबीएम अपने दूसरे चरण में दो साल से अधिक पूरे कर चुका है और ओडीएफ की उपलब्धि हासिल करने के बाद अब ओडीएफ प्लस के लिए प्रयासरत है। आइए हम इसे आसान शब्दों में समझते हैं– एसबीएम–जी के चरण ढ़ढढ़ढ, ओडीएफ प्लस के मुख्य उद्देश्यों में शामिल हैं– शौचालयों के निर्माण और उपयोग से आगे बढ़कर समग्र सार्वभौमिक स्वच्छता की दिशा में शौचालयों का निरंतर उपयोगय हमारे घरों व समुदायों से उत्पन्न जैविक रूप से अपघटित होने वाले और गैर–अपघटित रहने वाले कचरे सहित ठोस एवं तरल अपशिष्ट का पर्यावरण–अनुकूल और आर्थिक रूप से व्यवहार्य प्रबंधन और परिणामतरू स्वच्छ परिवेश का निर्माण आदि। यह संपूर्ण स्वच्छता के गांधीवादी सिद्धांतों के अनुरूप है और ठोस व तरल अपशिष्ट प्रबंधन (एसएलडब्ल्यूएम) के लिए समर्पित और विशिष्ट तकनीकी उपायों के माध्यम से स्वच्छता मिशन के चरण ढ़ढढ़ढ के हिस्से के रूप में आजीविका के अवसरों के सृजन से जुड़े हमारे उद्देश्य का भी समर्थन करता है। देश भर के हजारों गांवों में, ठोस अपशिष्ट का प्रबंधन अब घरेलू स्तर पर कचरे को गीले एवं सूखे कचरे में अलग–अलग करके और घरदृ घर जाकर इसके संग्रहण के जरिए से किया जा रहा है। पंचायतों और महिला स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) को कंपोस्टिंग और जहां संभव हो वहां बायोगैस के उत्पादन के जरिए गीले कचरे के प्रबंधन के लिए प्रशिक्षित किया जा रहा है, जो बाद में आय सृजन का साधन बन जाता है। घरों और विभिन्न संस्थानों से निकले प्लास्टिक कचरे का प्रबंधन गांवों में फॉरवर्ड लिंकेज की व्यवस्था के साथ संग्रहण एवं अलगाव केंद्रों के जरिए किया जा रहा है। प्लास्टिक कचरे को टुकड़ेदृ टुकड़े में बांट करके उसे उपयुक्त रूपों में परिवर्तित कर दिया जाता है, जिससे इसका सड़क निर्माण और सीमेंट कारखाने जैसी गतिविधियों में आगे इस्तेमाल संभव हो पाता है। इस क्रम में आजीविका का सृजन होता है। उदाहरण के लिए, कर्नाटक के वंदसे की ग्राम पंचायत में खाद एवं एकत्रित किए गए सूखे कचरे की बिक्री से प्रति माह लगभग 88,000 रुपये मिलते हैं। इसी तरह, 100 केएलडी की क्षमता वाली जल शोधन प्रणाली की सहायता से हरियाणा के कुरक जागीर की ग्राम पंचायत में मछली पालन में इस्तेमाल किए जाने वाले शोधित अपशिष्ट जल के जरिए मछली पालन से सालाना लगभग एक लाख रुपये जुटाए गए हैं। ग्रामीण भारत से रोजाना सामने आने वाली ऐसी कई कहानियों के ये दो प्रतिनिधि उदाहरण भर हैं। ऐसे ही कई विकल्पों में से एक गोवर्धन योजना भी है। हमारे गांवों को रसोई से निकलने वाले बचे हुए खाद्य पदार्थों, फसलों के अवशेष और बाजार के कचरे सहित पशु एवं अन्य जैव–अपशिष्टों के प्रबंधन की चुनौती का सामना करना पड़ता है। माननीय प्रधानमंत्री श्री मोदी जी ने श्कचरे से कंचनश्य बनाने का विचार दिया। इस प्रकार, गोवर्धन योजना के तहत 125 जिलों में लगे 333 गोवर्धन संयंत्र न सिर्फ खाना पकाने के लिए स्वच्छ ईंधन प्रदान कर रहे हैं औरध्या कई घरों में रोशनी बिखेर रहे हैं, बल्कि कई लोगों के लिए नौकरी और आय का स्रोत भी सृजित कर रहे हैं। यह वास्तव में एक श्अपशिष्ट से धनश्य की प्रणाली है जो जैव–अपघटित कचरे को संग्रहित करने और कचरे को संसाधनों में बदलने, जीएचजी उत्सर्जन को कम करने व कच्चे तेल के आयात पर हमारी निर्भरता को कम करने, उद्यमशीलता को सुदृढ़ करने और जैविक खेती को बढ़ावा देने में मदद करती है। घरेलू अपशिष्ट जल (शौचालय से निकलने वाले पानी को छोड़कर), जिन्हें तकनीकी रूप से श्गंदला पानीय (ग्रे वाटर) कहा जाता है, के प्रबंधन के लिए सुजलम 1.0 और सुजलम 2.0 अभियान की शुरुआत यह सुनिश्चित करने के उद्देश्य से की गई थी कि तालाब, झील और नदी जैसे मूल्यवान ग्रामीण प्राकृतिक जल संसाधनों को इस किस्म का अपशिष्ट जल दूषित नहीं करे। मलयुक्त गाद के प्रबंधन के लिए, हम राज्यों को सभी एकल–पिट वाले शौचालयों को दोहरे– पिट वाले शौचालयों में बदलने के लिए प्रोत्साहित कर रहे हैं, जिनमें शोधन की सुविधा अंतर्निहित होती है। सेप्टिक टैंक जैसे अन्य प्रकार के शौचालयों के लिए, मलयुक्त गाद के शोधन संयंत्रों में सेप्टेज और मल अपशिष्ट के संग्रह, परिवहन व शोधन सहित मलयुक्त गाद की प्रबंधन प्रणाली स्थापित करने पर ध्यान केन्द्रित किया गया है। उपर्युक्त सभी कदमों के अलावा लोगों को सुरक्षित स्वच्छता प्रणालियों और तौर–तरीकों को अपनाने के लिए प्रेरित करने हेतु उनके व्यवहार में बदलाव लाने के लिए व्यापक अभियान चलाए जा रहे हैं। इसके लिए श्स्वच्छता ही सेवा (एसएचए) च अभियान चलाया जा रहा है जिसमें एसबीएम के तहत वार्षिक स्वच्छता पखवाड़ा मनाया जाना, बेहद पुराने कचरे या अपशिष्ट एवं कचरे की भरमार वाले स्थलों की सफाई पर ध्यान केंद्रित करना, कचरे के निकलने वाले स्थल पर ही उसका पृथक्करण सुनिश्चित करना, कचरा संग्रह एवं पृथक्करण शेड का निर्माण करना, कचरा संग्रह वाहनों को खरीदना, घर–घर जाकर गैर–जैवकीय कचरे का संग्रह करना, जल स्रोतों को साफ रखना, वृक्षारोपण, एकल उपयोग वाली प्लास्टिक (एसयूपी) पर लगाए गए प्रतिबंध को लागू करवाना, इत्यादि शामिल हैं। इस वर्ष 2 करोड़ से भी अधिक लोगों ने श्रमदान के जरिए एसएचएस 2022 में भाग लिया, और 4,60,000 से अधिक पुराने कचरे के ढेरों की पहचान की गई एवं उन्हें साफ किया गया। पिछले ढाई वर्षों में हमारे समस्त प्रयासों से क्या–क्या हासिल हुआ है मुझे यह बताते हुए गर्व हो रहा है कि 1.14 लाख से भी अधिक गांवों ने स्वयं को श्ओडीएफ प्लस्च्य घोषित कर दिया है और लगभग 3 लाख गांवों ने श्ओडीएफ प्लस्च्य बनने की अपनी यात्रा शुरू करते हुए ठोस व तरल कचरा निपटान कार्य बाकायदा शुरू कर दिए हैं।

नगर निकाय चुनाव संबंधी बैठक भाजपा कार्यालय में संपन्न

हरदोई। आगामी नगर निकाय चुनाव के संबंध में बैठक का आयोजन भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय पर जिला अध्यक्ष सौरभ मिश्र की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में जिलाध्यक्ष ने कहा आगामी नगर निकाय चुनाव हेतु सभी पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता कमर कस कर चुनाव की तैयारियों में लग जाएं। पार्टी ने सभी नगर पालिका नगर पंचायतों में संयोजक तथा प्रभारी नियुक्त कर दिए हैं इन नियुक्त पदाधिकारियों के नेतृत्व में पार्टी संबंधित नगर पालिका नगर पंचायत के सभी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता की मेहनत से जिले की सभी नगर पालिका एवं नगर पंचायतों में जीत दर्ज करेगी।

जिला अध्यक्ष ने बताया भारतीय जनता पार्टी के अलावा किसी भी दल के पास न सशक्त उम्मीदवार है नहीं नेतृत्व देने के लिए नेता साथ ही केंद्र एवं प्रदेश सरकार की अनगिनत कल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों की संख्या भी अति महत्वपूर्ण है जैसा कि आप जानते हैं भारतीय जनता पार्टी ने जाति एवं पंथ से इतर एक नया वर्ग खड़ा किया है जिसे लाभार्थी संज्ञा दी जाती है, यह वोटर ही भारतीय जनता पार्टी को हर स्तर पर जिताने का कार्य करता है।

कार्यकर्ताओं को मात्र इन से संपर्क कर पार्टी की अन्य नीतियों एवं सरकार की योजनाओं को बताने की आवश्यकता है।निकाय चुनाव हेतु जिले के प्रभारी जिला महामंत्री अजीत सिंह बब्बन ने बताया ,संबंधित नगर निकाय में मंडल अध्यक्ष, मंडल प्रभारी निकाय संयोजक बूथ कमेटियों के साथ प्रतिदिन बैठक कर प्रगति की रिपोर्ट जिले को सूचना दें। बैठक में प्रमुख रूप से जिला उपाध्यक्ष राजेश अग्निहोत्री ,संदीप सिंह प्रीतेश दीक्षित, संजय सिंह, जिला महामंत्री सत्येंद्र राजपूत ,जिला मंत्री अजय शुक्ल, जिला मीडिया प्रभारी गांगेश पाठक, कार्यालय मंत्री अतुल सिंह, आईटी प्रमुख सौरभ सिंह और सोशल मीडिया प्रमुख प्रदुम्न आनंद मिश्रा सहित सभी निकायों के संयोजक मंडल अध्यक्षगण मौजूद रहे।

रावण की भूमिका निभाने वाले कलाकार की हार्टअटैक से मौत

-मृतक पतिराम रावत 10 वर्षों से लगातार रामलीला में निभा रहे थे रावण का किरदार

रूदौली–अयोध्या। रूदौली तहसील क्षेत्र के ऐहार गांव में रात रामलीला के दौरान सीताहरण प्रसंग के मंचन के पहले रावण की भूमिका निभा रहे कलाकार की हार्टअटैक से मौत हो गई। इसे लेकर पूरे गांव में शोक छा गया है। शोकाकुल माहौल में रावण की भूमिका निभाने वाले कलाकार का अंतिम संस्कार किया गया।बताया जाता है कि रामलीला मे. रात को रावण–मारीच संवाद का मंचन हो रहा था। रावण मारीच को माया मृग बनकर पंचवटी में जाकर राम–लखन को बहकाने तथा राम–लखन के पंचवटी से हटने के बाद स्वयं भिक्षुक का रूप धारण कर सीताहरण की योजना बता रहे थे। तभी अचानक रावण मंच पर गिर गये। आनन फानन में उसे अस्पताल ले जाया गया जहां डाक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। रुदौली कोतवाली क्षेत्र के ग्राम ऐहार में 46 वर्षों से चल रही रामलीला में यहां के निवासी पतिराम पिछले 10 वर्षों से रावण का अभिनय कर रहे थे।उनके निधन की खबर तो गांव पहुंची परिवार और गांव में कोहराम मच गया। रामलीला समिति के अध्यक्ष दिनेश प्रताप सिंह ने बताया कि अधेड़ आयु के पतिराम रावत पिछले 10 वर्षों से लगातार श्री रामलीला में रावण का किरदार निभा रहे थे। वह किराने की दुकान करते थे। उन्होंने बताया कि .मृतक पतिराम का अंतिम संस्कार कराया गया। पूरे गांव ने अपने चहेते कलाकार को नम आंखों से अंतिम विदाई दी। इस घटना से पूरा क्षेत्र शोक में डूब गया है।

6 अक्टूबर को ग्रामीण बिलग्राम ग्रामीण क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति ठप्प रहेगी

हरदोई। बिलग्राम पावरहाउस के द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में दी जाने वाली सप्लाई दिनाँक 06ध्10ध्2022 ब्रहस्पतिवार को बाधित रहेगी। जेई मुकेश कुमार गुप्ता ने जानकारी देते हुए कहा है कि पावरहाउस में लगे सभी पैनल बदले जायेगें, जिसके कारण नबीपुर फीडर, रहुला फीडर, पसनेर फीडर व वर्ल्ड बैंक फीडर के अंतर्गत आने वाले सभी गांवों में विद्युत आपूर्ति नहीं की जा सकेगी। उन्होंने कहा कि कष्ट के लिए खेद है। धर्य बनाये रखें और सहयोग करें।

बुजुर्ग दंपत्ति की हत्या का खुलासा, संपत्ति विवाद में बहू के चचेरे भाई ने साथियों के साथ मिलकर दिया था अंजाम

हरदोई। पुलिस ने 5 दिन पूर्व हुई बुजुर्ग दंपत्ति की हत्या का खुलासा किया है।बुजुर्ग दंपत्ति की हत्या किसी और ने नहीं बल्कि मृतकों की बहू के चचेरे भाई ने अपने साथियों के साथ मिलकर की थी।दरअसल मृतकों की बहू के नाम कुछ जमीन थी जिसे बहू का चचेरा भाई अपने नाम करवाना चाहता था।यह बात बुजुर्ग दंपत्ति को पता थी और इसको लेकर वाद विवाद हो चुका था।इसी वजह से बहू के चचेरे भाई ने अपने दो साथियों के साथ मिलकर बुजुर्ग दंपत्ति की गला रेत कर निर्मम हत्या कर दी थी और फरार हो गए थे।पुलिस ने सामूहिक हत्याकांड के मामले में वारदात को अंजाम देने वाले मुख्य अभियुक्त और उसके एक साथी को गिरफ्तार कर लिया है जबकि फरार अभियुक्त की तलाश की जा रही है।

जिले में पुलिस ने थाना बघौली के काईमऊ गांव में रिटायर्ड होमगार्ड संतराम और उनकी पत्नी कैलाशा देवी की हत्या के मामले में थाना अतरौली के अल्लीपुर गांव निवासी सुधाकर और बृजेश को गिरफ्तार किया है।दरअसल 27 और 28 सितंबर की रात्रि संतराम और उनकी पत्नी कैलाशा देवी की उनके घर में ही गला रेतकर निर्मम हत्या कर दी गई थी।ब्लाइंड मर्डर के खुलासे के लिए पुलिस ने 3 टीम गठित की थी और लक्ष्मी सिंह ने भी घटनास्थल का मौका मुआयना किया था और सामूहिक हत्याकांड के खुलासे के निर्देश दिए थे।वारदात के बाद पुलिस ने आज भागने की फिराक में जुटे हत्याकांड के दोनों आरोपियों को गोड़वा नहर पट्टी पुलिया के पास से गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस के मुताबिक, मृतक दंपत्ति के बेटे कमल किशोर की पत्नी सुमन का मायका थाना अतरौली के अल्लीपुर गांव में है।सामूहिक हत्याकांड का आरोपी सुधाकर सुमन का चचेरा भाई है,सुमन के माता–पिता नहीं थे लिहाजा 10 बीघा पैतृक जमीन सुमन के नाम आ गई थी।सुमन का पति कमल किशोर दिल्ली नौकरी करने के लिए चला गया था।

ऐसे में सुमन अपने मायके गई थी जहां सुधाकर ने सुमन से 10 बीघा खेत अपने नाम करा लिया था लेकिन उसका दाखिल खारिज नहीं हो सका था, लालच बश वह चचेरी बहन सुमन की विदाई भी नहीं कर रहा था।यह बात रिटायर्ड होमगार्ड संतराम को पता चल गई थी,संतराम चाहते थे किया जमीन सुधाकर के नाम उनकी बहू ना करें जिससे जमीन उनके बेटे को मिल जाएगी।सुधाकर के इस कृत्य का संतराम ने विरोध किया था और उससे न्यायालय और पुलिस की मदद लेने की बात कही थी।इसी बात को लेकर सुनियोजित तरीके से सुधाकर ने प्लान बनाया और 27 सितंबर की शाम को बाइक से अपने दो साथियों के साथ काईमऊ गांव में उनके घर पहुंचा।जब दोनों बुजुर्ग दंपत्ति घर आए हुए मेहमानों की मेहमान नवाजी में लगे थे उसी समय सुधाकर और उसके साथियों ने धारदार हथियार गढ़ासे से दोनों की गर्दन पर वार का निर्मम हत्या कर दी और भाग गए थे।सुबह जब लोगों को घटना की जानकारी हुई तो सुधाकर भी घड़ियाली आंसू बहाने के लिए पीड़ित परिवार को ढाढस बनाने पहुंचा था।पुलिस की जांच में सामूहिक हत्याकांड की परत दर परत खुलती गई और इस पूरे प्रकरण का खुलासा हुआ।पुलिस ने सुधाकर और उसके साथी बृजेश को गिरफ्तार कर लिया है जबकि इस हत्याकांड में शामिल फरार आरोपी कन्हैया की तलाश में जुटी है।पुलिस का दावा है कि जल्द ही फरार आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेजा जाएगा।

बुखार ने ढाया कहर 24 घंटे में मां बेटी की मौत

बिलग्राम ध्हरदोई। बिलग्राम नगर में स्थित गंगा धाम कॉलोनी में बीते 24 घंटे में मां बेटे की बुखार से मौत हुई है।मां की खून की जांच में डेंगू की पुष्टि हुई है जबकि आनन–फानन बेटी का इलाज जांच नहीं हो पाई है। इस तरह से गंगा धाम कॉलोनी में डेंगू ने कहर बरपा किया है । बिलग्राम में बस स्टैंड चौराहे के निकट गंगा धाम कॉलोनी की बस्ती बसी है। कॉलोनी में रह रहा दिनेश चंद का परिवार पूरी तरह बुखार की चपेट में आ गया, दिनेश चंद ने बताया शनिवार को उनकी पत्नी को बुखार आया और उन्होंने इलाज हेतु सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र संपर्क किया। इलाज के बाद पत्नी शिल्पी मैं सुधार नहीं हुआ और उन्हें रेफर किया गया।खून की जांच में शिल्पी को डेंगू की पुष्टि हुई और उसके प्लेटलेट्स मात्र 12 अकाउंट रह गई । शिल्पी ने शनिवार को दम तोड़ दिया और शिल्पी को अंतिम संस्कार के लिए ले गए। इसी बीच उनकी पुत्री साक्षी 7 वर्ष को भी बुखार आ गया और मां के जैसे ही लक्षण दिखाई दिए, जब तक उसकी जांच इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए। शिल्पी ने भी दम तोड़ दिया । 2 मौतों के बाद परिवार शोक में डूबा है। मोहल्ले वालों ने कॉलोनी में साफ–सफाई की मांग उठाई है।

लंका दहन का सजीव मंचन

जौनपुर। श्री रामलीला समिति हुसेनाबाद द्वारा .रात सीता हरण , बाली बध और लंका दहन का सजीव मंचन किया गया । लंका दहन होते ही राक्षशी खेमे खलबली मच गया। लंका दहन के दौरान बाली सुग्रीव संग्राम का जहां दर्शकों ने लड़ाई का आनंद लिया। बाली–सुग्रीव की कलाबाजियों ने लोगों को खुशी से तालियां बजाने के मजबूर कर दिया। उसके पश्चात जब भगवान हनुमान जी ने लंका दहन की तो सारा पंडाल जय वीर हनुमान के जयकारों से गूंज उठा। इसके पश्चात अशोक वाटिका में माली–मालन के दृश्यों ने दर्शकों को खूब आनंदित किया। अशोक वाटिका में सीता व रावण और सीता व हनुमान संवाद बहुत ही मनमोहक थे। इसके पश्चात हनुमान जी द्वारा अशोक वाटिका को उजाड़ा गया।

किसी को तकलीफ न पहुंचाने वाला ही सच्चा मुसलमान

जौनपुर। चहारसू की रौजे वाली मस्जिद में मरहूम हसीन अहमद की सालाना मजलिस शेख नुरुल हसन मेमोरियल सोसायटी के द्वारा आयोजित की गई मजलिस को आली जनाब मौलाना उरूज हैदर खान साहब ने संबोधित करते हुए कहा कि इस्लाम का पहला फलसफा खिदमते हल्क है मौलाना ने कहा कि इस्लाम मजहब को मानने वाला कभी आतंकवादी नहीं हो सकता वह कभी भी आतंकवाद की पैरवी नहीं कर सकता अगर वह इस तरह की हरकत करता है तो यह मानना चाहिए कि वह केवल नाम का मुसलमान है,, अच्छा और सच्चा मुसलमान वही जो किसी को तकलीफ न पहुंचाएं ,हजरत इमाम हुसैन की शहादत को सुनकर उपस्थित जन दहाड़े मार कर रोने लगा। मजलिस में शोज खानी जनाब नजफ साहब और उनके साथियों ने की पेशखानी जनाब सैफ अब्बास एवं जनाब सुर्खाब ने की जनाब नईम हैदर के नेतृत्व मेंअंजुमन कासिमियाने नौहा, मातम किय मजलिस के आखिर में मरहूम हसीन अहमद इब्ने शेख नूरुल हसन मरहूम के लिए सूरह फातिहा पढ़ी एवं समाजसेवी अली मंजर डेजी ने मजलिस में आए हुए सभी का शुक्रिया अदा किया इस मौके पर मुख्य रूप से अजहर अब्बास, वसीम हैदर, असलम नकवी ,तहसीन अब्बासी, सोनी,फैज , डॉक्टर राहिल, सिकंदर इकबाल, नियाज हैदर, फिरोज हैदर नासिर रजा गुड्डू, मुन्ना, मोहम्मद, बहादुर ,सोनू ,राजा, तालिब रजा शकील, अहसन नजमी, एडवोकेट शकील अहमद, मिर्जा बाबर, समाजसेवी सैयद परवेज हसन जाफर अब्बास, वसीम अहमद, मुनीर सीकणवाला,शहरयार, शौकत मास्टर, ,इसरार हुसैन एडवोकेट, इजहार हुसैन खां, इस्सन, आसिफ आब्दी, इत्यादि लोग मौजूद रहे।

पशु पालन विभाग की टीम द्वारा किया गया भ्रमण

हरदोई।सूकरो की अचानक मृत्यु के सम्बन्ध में सूचना पर आज पशु पालन विभाग, हरदोई की टीम–9 द्वारा शहर के मोहल्ला ऊचाथोक, कृष्ण नगरिया, चंदीपुरवा आदि में भ्रमण किया गया तथा मृत सूकरों के सम्बन्ध में जानकारी आस–पास के लोगो से की गयी। भ्रमण के समय कोई बीमार सूकर नही मिला। भ्रमण के समय मौजूद सभासद अमित त्रिवेदी एवं राम किशोर की वार्डो में साफ–सफाई एवं मच्छरों के लिए फॉगिंग करवाने की सलाह दी गयी तथा यदि कोई सूकर बीमार मिले तो उसकी सूचना तत्काल पशु चिकित्सालय सदर पर देने को कहा गया। निरीक्षण के समय टीम 9 के डा० प्रकाश वीर संयुक्त निदेशक, डा० आर०पी० सिंह उपमुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डा० भूपेन्द्र सिंह, डा शेषमन, डा० पुष्पेन्द्र, मनोज, सियाराम, रामचन्द्र शुक्ला, सन्त भगत सिंह आदि मौजूद थे।

बढ़ती जा रही है मीडिया के क्षेत्र में चुनौतियां

जौनपुर। मुख्य चिकित्साधिकारी कार्यालय निकट मतापुर में स्थित जनधमाका न्यूज के कार्यालय का षुभारंभ षारदीय नवरात्र की महाष्टमी को विद्वान ब्राहमणों द्वारा विधि विधान से पूजन अर्चन और मंत्राच्चोर के साथ किया गया । इस अवसर पर मौजूद पत्रकारों ने कहा कि मीडिया का कार्य चुनौतीपूर्ण हो गया है इसे सही मायने में अंजाम देना आसान नहीं है। वर्तमान समय में लोकतंत्र के चौथे स्तम्भ मीडिया की जिम्मेदारियां और अधिक बढ़ गई हैं। समाज का हर तबका मीडिया की ओर विश्वास व आशा भरी नजरों से देखता है। इसलिए मीडिया के क्षेत्र में चुनौतियां दिनों–दिन बढ़ती जा रही है। आज के दौर में मीडिया की भूमिका बहुत ही सशक्त हो गई है। पत्रकारों ने कहा चुनौतियां हर क्षेत्र में बढ़ी हैं लेकिन पत्रकारिता नौकरी व धन्धा नहीं बल्कि मिशन हो तभी समाज का भला होगा। पत्रकारिता के व्यवसायीकरण व निराधार खबरों पर चिन्ता करते हुए कहा गया कि कि पत्रकार जनता व प्रशासन के बीच आईने का काम करते हैं। इसमें प्रषासन और सरकार भी खबरें परोसते समय सच्चाई और हकीकत को नजरअंदाज न करे तभी उसकी छवि समाज में बेहतर होगी। इस अवसर पर सम्पादक जय प्रकाष मिश्र, अरविन्द पटेल, रामजी जायसवाल, रविन्द्र श्रीवास्तव, छोटे लाल यादव, षषि राज सिन्हा, संजय उपाध्याय, ष्षुभम जायसवाल, अतुल मिश्रा, षिवषंकर मिश्रा आदि मौजूद रहे। अन्त में सम्पादक जनार्दन मिश्र ने प्रसाद वितरण कर आभार व्यक्त किया।

नेता जी की छह फिट ऊँची प्रतिमा स्थापित

जौनपुर। खुटहन बाजार के चौराहे के मध्य बिधायक रमेश सिंह के द्वारा वैदिक रीति से मंत्रोच्चार के साथ पूजा अर्चना कर ग्रेनाइट पत्थर से बनी नेता जी सुभाष चंद्र बोस की छह फिट ऊँची प्रतिमा स्थापित की। पंडित अमरनाथ मिश्रा ने पूरे बिधि विधान से पूजन कराया। बिधायक ने अपनी निधि से चौराहे का सौंदरीकरण व प्रतिमा स्थापित करने का वादा किया था। जो अब पूरा होता दिख रहा है। इसके परांत उन्होंने बगल में ब्रजेश जनसेवा केंद्र पर टेली ला कार्यालय का फीता काटकर शुभारंभ भी किया। विधायक ने कहा कि खुटहन चौराहा सौन्दरीकरण के क्षेत्र में हमेशा उपेक्षित रहा है। यहाँ दशकों पूर्व में नेता जी की प्रतिमा स्थापित की गयी थी। अंधेरा और चहारदीवारी कमजोर होने के चलते आये दिन वाहनो के धक्के से बाउंड्रीवाल व नेता जी की प्रतिमा क्षतिग्रस्त होती रही है। दो माह पूर्व भी ऐसी ही दुर्घटना में प्रतिमा टूट गयी थी। लेकिन अब चहारदीवारी को मजबूत बनाया गया है। इसके अलावा पहले से ऊंचा और मजबूत प्लेटफार्म बनाकर उसके ऊपर नेता जी की प्रतिमा स्थापित की गयी है। स्ट्रीट लाइट के तेज प्रकाश से पूरा चौराहा जगमग करता रहेगा। गोले के बीच हरे भरे फूल, पत्तियाँ और छोटे बृक्ष लगाये जायेगे। इससे जहाँ चौराहे की सुंदरता बढ़ेगी, वहीं दुर्घटना की आशंका भी न के बराबर रहेगी। इसके बाद उन्होंने चौराहे पर ही स्थित ब्रजेश जन सेवा केंद्र पर टेली ला कार्यालय का शुभारंभ करते हुए कहा यहां मुफ्त कानूनी सलाह मिलेगी। सरकार की मंशा है कि देश की गरीब और अनपढ़ परिवार कहीं बिचौलियों के चक्कर में पड़कर शोषण के शिकार न होने पाये। बीडीओ वीरभानु सिंह, श्रीकृष्ण पांडेय, बंशबहादुर पाल,गोल्डू मिश्रा, प्रेमचंद्र तिवारी, केशव तिवारी, चंद्रकांत दूबे, उमेश सिंह, अन्नू दूबे, राहुल यादव, राजेंद्र मिश्रा, शशांक तिवारी, राजेश पांडेय, प्रह्लाद गुप्ता आदि मौजूद रहे। अंत मे केंद्र संचालक ब्रजेश उपाध्याय ने आभार व्यक्त किया।

धन उगाही को लेकर थाने में किया टार्चर , हालत नाजुक

जौनपुर। खेतासराय थाना क्षेत्र के दो सिपाहियों ने धन उगाही के चक्कर में खाड़ी देष से कमाकर लौटे एक व्यक्ति को बुरी तरह टार्चर किया कि वह थाने में बेहोष हों गया। इसके बाद चिकित्सक ने उसकी हालत देखते ही इलाज करने से इन्कार कर दिया तो पुलिस ने भुगतभोगी को एक निजी चिकित्सालय में भती कराकर अपना पीछा छुड़ा लिया। उक्त आरोप लगाते हुए खेतासराय थाना क्षेत्र के मानी कला गांव निवासी ष्षफीक पुत्र बदरूददीन ने पुलिस अधीक्षक से लिखित तौर पर बताया कि वह अपने साले अकील पुत्र अब्दुल कलाम निवासी मानीकला के साथ गुरैनी बाजार जा रहा था। नहर के पास पहुंचा ही था कि खेतासराय थाने के सिपाहीरंजीत यादव, कृष्ण नारायण, अकील को रोककर अपने गाड़ी पर बैठा लिये और कहा छेड़खानी का मामला है थाना चलना पड़ेगा। साहब बुलाये है। अकील रोजगार के लिए खाड़ी देष रहता है अभी हाल में वहां से लौटा है। थाने पर पता चला कि छेड़खानी का प्रकरण नहीं सिपाही धन उगाही के लिए लाये है। इसके बाद बुरी तरह से टार्चर किया कि अकील थाने में अचेत हो गया। पुलिस उसे लेकर स्वास्थ्य केन्द्र ले गयी जहां चिकित्सक ने हालत देखकर इलाज से इन्कार कर दिया। इसके बाद पुलिस एक प्राइवेट अस्पताल पर अकील को छोड़कर भाग गयी। इसके बाद परिजन उसे जिला अस्पताल भर्ती करायें लेकिन अभी वह बयान न देने की हालत में है। अब पुलिस दबाव बना रही है कि मामला रफा करवा कर दो। मांग किया कि दोनो सिपाहियों की जांच कराकर कार्यवाही करें।

अटसराय में जागरण देवी गीतों पर झूमे भक्त

कौशाम्बी । अटसराय गांव में लगभग बीस वर्षो से आयोजित दुर्गा पंडाल में सप्तमी को देवी जागरण का आयोजन किया गया जहा देवी गीतों पर भक्त झूम उठे । बताते चले की अटसराय गांव में प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी नव युवक मंगल दल कमेटी की ओर से दुर्गा पंडाल में सुबह शाम आरती पूजा के बाद प्रसाद वितरण किया जा रहा है जहा गांव सहित क्षेत्रीय गांव के लोग भी पूजा में शामिल होकर देवी दर्शन करते है रात नव युवक मंगल दल कमेटी की ओर से भगवती जागरण का आयोजन किया गया जहा देवी गीतों पर भक्त झूम उठे । इस दौरान कमेटी के अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद , महामंत्री रवि कुमार , उपाध्यक्ष अनिल मोदनवाल , कोषाध्यक्ष सुरेश सिंह , जोंटी विश्वकर्मा , नीरज पाल , धनराज सिंह सहित सैकड़ों ग्रामीण मौजूद रहे ।

महाष्टमी को उमड़ा श्रद्धालुओं का रेला

जौनपुर। पूर्वांचल के आस्था का केन्द्र मां शीतला चौकियां धाम में शारदीय नवरात्रि के अष्टमी पर .हजारों भक्तों ने माता रानी के चरणों में मत्था टेका। व्रती लोग भोर में 4 बजे के पहले ही मन्दिर खुलने से पहले पहुंच गये। मन्दिर के कपाट खुलने के पश्चात माता रानी का आरती, श्रृंगार व पूजन हुआ जिसके बाद जयकारों से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। माता रानी के दर्शन–पूजन करने पहुंचे भक्तों की लम्बी कतार लगी रही। भक्तजन कतार में खड़े होकर दर्शन–पूजन करते नजर आये।

माता रानी के दर्शन–पूजन करने के बाद पवित्र कुण्ड के बगल में स्थित बाबा काल भैरव नाथ मन्दिर में भी दर्शनार्थी दर्शन–पूजन करते देखे गये। अष्टमी के अवसर पर घर–घर में पूजा हुई।

मंदिरों में हवन अनुष्ठान किए गए। घरों में भी माता का पूजन व कन्या पूजन किया गया। अन्य देवी मंदिरों में सुबह से श्रद्धालुओं की भीड़ रही । माताजी की प्रतिमाओं का विशेष शृंगार धराया गया। शहर के पण्डालों में श्रद्धालुओं के आने से रह–रहकर कतारें लगी ।

वहीं मंदिरों के बाहर मौजूद याचकों को नकद भेंट, हलवा, लप्सी, पूड़ी, फल आदि वितरित किए गए। श्री माँ शारदा शक्तिपीठ (मैहरवाली) के धाम में भक्तों ने माँ का जैकारा लगाकर माँ शारदा के दर्शन करने के लिए भक्तजनों की लम्बी कतार मंदिर के द्वार तक लगी रही। प्रातःकाल माता का श्रृंगार एवं कलश पूजन के बाद मंदिर के यज्ञशाला हवन कुंड में अग्नि प्रज्ज्वलित करने के बाद इस पवित्र अग्नि में फल, शहद, घी, काष्ठ आदि पदार्थों की आहुति ट्रस्टी रविकान्त जायसवाल (पत्नी संग किया। अष्टमी के दिन नौ कन्याओं को ले कर कन्या पूजन एवं भोजन कराया। कन्या के पैर धोकर उन्हें साफ स्थान पर बैठाकर माथे पर कुमकुम का तिलक लगाकर चुनरी उढ़ाया गया। आरती उतारने के बाद उन्हें भोजन में कन्याओं को हलवा–पूड़ी खिलाया गया। भक्तों ने माता के पसन्द की लाल चुनरी, माला–फूल और नारियल चढ़ाया।

चार दिन चले राम लीला का समापन

जौनपुर। मछली शहर, श्री राघवेंद्र रामलीला समिति कल्यानपुर सोनहरा पुर्बहान द्वारा आयोजित रामलीला बडे धूम धाम से संपन्न हुआ । चार दीन तक चले राम लीला श्री राम बिबाह तक खेला गया। राम लीला मे प्रथम दिन नारद मोह , नारद का पाठ कर रहे धर्मेंद्र कुमार गिरि ने दर्शको का मन मोह लिया । द्वितीय दिन मनु सतरुपा रावण जन्म , प्रताप भानू, राम जन्म , तृतीय दिन विश्वामित्र का यज्ञ बिध्वंस,ऐहील्या तारना,सुबाहू वध , चतुर्थ दिन धनुष भंग, परशुराम लक्षमन संवाद , परशुराम का पाठ कर रहे दीपक दुबे व लक्षमन का पाठ कर रहे अमन दुबे ने दर्शक के हृदय को झकझोर कर रख दिया । समिति द्वारा प्रथम वर्ष की राम लीला देखने मे ग्रामवासि अपना कीमती समय देकर प्रती दिन भारी संख्या मे उपस्थित हो कर पात्रो का हौसला बढाया ।

बजट के पड़े लाले, 428 बच्चे भूख के हवाले

देवरिया। कोरोना संक्रमण के दौरान माता और पिता को खो चुके बच्चों की परवरिश के लिए मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना कोविड और सीएम बाल सेवा योजना सामान्य शुरू की गई थी। दोनों योजनाओं के तहत बच्चों को मदद करने के लिए जिले में 428 बच्चों को चिह्नित किया गया था। पूरा खर्च उठाते हुए यह योजना सहारा बनने वाली थी। सच तो यह है कि अप्रैल माह से अभी तक खर्च के लिए बजट ही नहीं आया है। इसके कारण इनके अभिभावक ऑफिस का चक्कर भी लगा रहे हैं। कोरोना संक्रमण काल में अपनों को गंवाने वाले बच्चों को इस समय बजट की कमी का दंश झेलना पड़ रहा है। कारण यह कि उनके निवाले के लिए आने वाला बजट 31 मार्च 2022 के बाद नहीं आया है। उनकी परवरिश कैसे होगी, दो वक्त की रोटी कैसे मिलेगी, इस समस्या से वे जूझ रहे हैं। जिले में नौ ऐसे बच्चे हैं, जिनके माता–पिता दोनों नहीं हैं। उनके सामने सबसे बड़ी दिक्कतें आ रही हैं। इनकी परवरिश करने वाले अभिभावकों को विभाग आश्वासन देकर वापस भेज दे रहा है। दूसरी कुछ जगहों पर इन बच्चों को गांव के लोगों के सहयोग से जीवन–यापन करना पड़ रहा है।

मिल रही केवल आश्वासन की घूंट

देवरिया। जिले में मुख्यमंत्री बाल सेवा कोविड के नाम संचालित योजना के तहत 428 बच्चे चिह्नित हैं। प्रत्येक को चार हजार रुपये प्रतिमाह दिया जाना है। इसमें नौ बच्चों के माता और पिता दोनों का साया उठ चुका है। इनमें किसी के पिता तो किसी मां कोरोना संक्रमण काल के दौरान दुनिया से चल बसी है। इस योजना के लिए अप्रैल माह से बजट नहीं आया है। जबकि मुख्यमंत्री बाल सामान्य योजना के तहत 178 बच्चों का चयन किया गया है। इन बच्चों को ढाई हजार रुपये प्रति माह मिलता है। इस योजना का हाल यह है कि जून माह तक रुपये मिल चुके, लेकिन इस तीन माह के बाद अब तक एक रुपये नहीं नसीब हुए हैं।

खेलते समय पोखरी में डूबने से भाई–बहन की मौत, घर में मचा कोहराम

पनियरा (महराजगंज) । थाना क्षेत्र के ग्राम सभा कामता बुजुर्ग में पोखरी में डूबने से दो मासूम की मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया है। कामता बुजुर्ग निवासी महेंद्र वर्मा वर्तमान में डोगरा रेजीमेंट (आर्मी) में तैनात हैं। दोपहर दो बजे महेंद्र वर्मा की पुत्री गरिमा (6) व पुत्र सागर (4) अपने दादी के घर पर खेल रहे थे। इसी बीच दोनों मासूम खेलते हुए घर के सामने सड़क के पास पोखरी में डूब गए। कुछ देर बाद घर के परिजन दोनों मासूमों की खोजबीन करने लगे, लेकिन दोनों का कहीं पता नहीं चला। गांव के कुछ लोगों की मदद से पोखरी में दोनों मासूमों की तलाश की गई। कुछ देर बाद दोनों को पोखरी से निकाला गया। आनन फानन में दोनों मासूमों को परिजन जिला अस्पताल महराजगंज ले गए। जहां पर चिकित्सकों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। परिजन दोनों शव को घर पर लाए। मृत मासूमों की मां रूबी रोते हुए बेहोश हो जा रही हैं। घटनास्थल पर एसडीएम सदर मोहम्मद जसीम, सीओ सदर अजय सिंह चौहान, नायब तहसीलदार सदर देश दीपक तिवारी पहुंचे। थानाध्यक्ष सत्य प्रकाश सिंह का कहना है कि शव का पोस्टमार्टम परिजन नहीं कराने के लिए राजी हुए। पंचनामा भर कर उन्हें सौंप दिया गया है।

नौतनवा क्षेत्र में पोखरी में नहाते समय डूबने से किशोर की मौत

थाना क्षेत्र के कौलही गांव एक पोखरे में नहाने गए एक किशोर की मौत हो गई। साथ में नहा रहे अन्य लोगों ने देखा तो शोर मचाया। मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने तत्काल बाहर निकालकर इलाज के लिए नौतनवां के एक निजी अस्पताल में ले गए जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। जानकारी के मुताबिक नौतनवां थाना क्षेत्र के कौलही निवासी विशाल जायसवाल 15 .गांव की एक पोखरी में नहाने गया था। इस दौरान विशाल डूबने लगा, तो पोखरी में नहा रहे अन्य युवकों ने डूबता देख शोर मचाने लगे। शोर सुनकर ग्रामीण तथा परिजन मौके पर पहुंच गए और उसे पानी बाहर निकालकर तत्काल इलाज के लिए नौतनवां के एक निजी अस्पताल में ले गए। जांच के बाद चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। प्रभारी निरीक्षक सुनील कुमार राय ने बताया कि पोखरी में डूबने से किशोर की मौत हुई है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया।

मिठौरा में नहर किनारे पटरी पर मिला वृद्ध का शव

थाना क्षेत्र के ग्रामसभा सिंदुरिया पुराने पेट्रोल पंप के सामने देवरिया शाखा की नहर पटरी पर 70 वर्षीय वृद्ध का शव मिला। ग्राम सभा सिंदुरिया निवासी सुकई शर्मा (70) सुबह नहर पटरी के किनारे शौच करने के लिए गए थे। दोपहर बाद वह नहर की पटरी पर मृत मिले। थाना प्रभारी सिंदुरिया नासिर हुसैन ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के कारणों का पता चल सकेगा।

निर्माणाधीन मंदिर की छत गिरने से मजदूर की मौत, छह घायल

पनियरा। स्थानीय थाना क्षेत्र के रजौड़ा कला गांव में .निर्माणाधीन मंदिर की छत गिरने से एक मजदूर की मौत हो गई। छह मजदूर घायल हो गए। घायल मजदूरों को सीएचसी पनियरा ले जाया गया, जहां हालत गंभीर देखकर जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। घटना की जानकारी मिलते हुए डीएम सत्येंद्र, एसपी डॉ. कौस्तुभ, एसडीएम मोहम्मद जमीस समेत अन्य अधिकारी मौके पर पहुंचे। मृतक आश्रित को दुर्घटना बीमा का लाभ दिलाने के लिए जरूरी प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। जानकारी के अनुसार रजौड़ा कला गांव में मंदिर की छत लगाई जा रही थी। इसमें गांव के कई मजदूर लगे थे। ढलाई के दौरान अचानक भरभराकर छत गिर गई। मलबे में दबकर मजदूर घरभरन (55) की मौके पर मौत हो गई। जबकि जितेंद्र, रामधन, शैलेश, किशोर, जितई और जितेंद्र घायल हो गए। उन्हें एंबुलेंस से पीएचसी पनियरा भेजा गया। जहां पर चिकित्सकों ने सभी को गंभीर अवस्था में जिला अस्पताल महराजगंज रेफर कर दिया। घटना के बाद मृतक घरभरन के परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल हो गया है। अधिकारियों ने मृतक के परिजनों का ढांढस बंधाया। जिलाधिकारी सत्येंद्र कुमार ने बताया कि मृतक आश्रित को दुर्घटना बीमा का लाभ दिलाने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। जल्दी ही पांच लाख की सहायता राशि परिजनों को मिल जाएगी।

मुस्लिम परिवार कराता है नीलकंठ के दर्शन, तब शुरू होता है दशहरा

लार। ब्लॉक के रामनगर गांव में विजयदशमी पर नीलकंठ पक्षी के दर्शन किए बिना गांव वालों का दशहरा पूरा नहीं होता है। खास बात यह है कि नीलकंठ के दर्शन गांव का ही मुस्लिम परिवार कराता है। करीब 250 वर्षों से यह परंपरा चली आ रही है। यह दोनों समुदाय की आपसी एकता की अनूठी मिसाल बन चुकी है। ग्रामीणों के मुताबिक विजयदशमी पर नीलकंठ के दर्शन करने की परंपरा रामनगर गांव में सदियों पुरानी है। परंपरा के निर्वहन में सभी समुदाय के लोग साथ होते हैं। हनुमान मंदिर के पुजारी पंडित संतोष द्विवेदी कहते हैं कि यह परंपरा करीब 250 वर्षों से चली आ रही है। नीलकंठ पक्षी के दर्शन–पूजन के बाद ही गांव में शुभ कार्य आरंभ होते हैं। रामचंद्र यादव ने बताया कि यह हमारी अनूठी परंपरा आपसी समरसता का प्रतीक है। अवकाश प्राप्त सब इंस्पेक्टर श्रीकृष्ण यादव ने बताया कि हम सभी ग्रामवासियों का बिना नीलकंठ पक्षी देखे दशहरा शुभ नहीं माना जाता है। इस दिन सुबह से गांव के प्रत्येक घर के पुरुष, महिला और बच्चों को इस पक्षी के दर्शन कराए जाते हैं। शाम को सभी लोग गांव स्थित हनुमान मंदिर पहुंचते हैं। यहां दोनों समुदाय की मौजूदगी में नीलकंठ पक्षी को उड़ाया जाता है। इसका सभी लोग दर्शन करते हैं।

वहीं, इस अनूठी परंपरा के निर्वहन की जिम्मेदारी गांव के स्व. मुख्तार के परिवार की होती है। अब उनकी पत्नी जिस्मआरा इस परंपरा का बखूबी निर्वहन करती हैं। परिवार के सदस्य करीब दस दिन पूर्व से इस पक्षी की खोज में निकलते हैं। दशहरा के एक दिन पूर्व नीलकंठ पक्षी गांव लेकर पहुंचते हैं। जिस्मआरा बताती हैं कि यह त्योहार पशु–पक्षियों पर दया दिखाने का भी संदेश देता है। शिक्षक अजय सिंह ने बताया कि भगवान राम ने रावण के वध से पहले नीलकंठ पक्षी के दर्शन किए थे। इसके बाद उन्हें विजयश्री हासिल हुई थी। देवेंद्र प्रजापति ने बताया कि वर्षों से चली आ रही इस परंपरा को युवा पीढ़ी उत्साहपूर्वक आपसी सौहार्द के बीच मना रही है। यह परंपरा हम दोनों समुदाय के लोगों को एकता के सूत्र में बंध क र रहने का संदेश देता है।

हनुमान मंदिर में भजन गाते हैं लियाकत अली अंसारी

लार। रामनगर गांव में नीलकंठ पक्षी के दर्शन से पूर्व हनुमान मंदिर में ग्रामीणों द्वारा एक साथ बैठकर भजन–कीर्तन किया जाता है। इसमें गांव के लियाकत अली अंसारी प्रमुख रूप से राम–सीता पर आधारित भजन प्रस्तुत करते हैं। इसके बाद नीलकंठ पूजन कर उसे छोड़ दिया जाता है।

निकलो ना बेनकाब, जमाना खराब है....

महराजगंज। निकलो ना बेनकाब, जमाना खराब है, और उस पर ये सबाब, जमाना खराब है, के साथ ही सब को मालूम है कि मैं शराबी नहीं, फिर भी कोई पिलाए तो मैं क्या करूं, जैसी अपनी गजलों की प्रस्तुति से प्रख्यात गजल गायक पंकज उधास ने महराजगंज महोत्सव की अंतिम रात को यादगार बना दिया। उनकी गजल सुनकर श्रोता झूम उठे।

उन्होंने इसके बाद सिर्फ इक बार नजरों से नजरें मिलीं, और कसम टूट जाए तो मैं क्या करूं... जिएं तो जिएं कैसे, बिन आपके, लगता नहीं दिल कहीं, बिन आपके और चांदी जैसा रंग है तेरा, सोने जैसे बाल, एक तू ही धनवान है गोरी, बाकी सब कंगाल, सुनाकर लोगों की खूब वाहवाही लूटी। चिट्ठी आई है, आई है चिट्ठी आई है... के जरिये उन्होंने श्रोताओं को भावुक कर दिया।

इससे पूर्व गायक पंकज उधास, केंद्रीय वित्त राज्यमंत्री पंकज चौधरी, जिलाधिकारी सत्येंद्र कुमार व विधायकों ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। संचालन एकता शर्मा ने किया। इस दौरान विधायक जयमंगल कन्नौजिया व ऋषि त्रिपाठी, पुलिस अधीक्षक डॉ. कौस्तुभ, अपर जिलाधिकारी डॉ. पंकज वर्मा, उप जिलाधिकारी मोहम्मद जसीम, अपर एसडीएम मदन मोहन वर्मा, जिला विद्यालय निरीक्षक अशोक कुमार सिंह, बीएसए आशीष सिंह, सहायक निबंधक सहकारिता सवींद्र सिंह समेत बड़ी संख्या में दर्शक मौजूद रहे।

जय विजय सचान ने दर्शकों को खूब गुदगुदाया

दिल्ली से आए जय विजय सचान ने कामेडी के माध्यम से महोत्सव की रात को खास बना दिया। उनकी प्रस्तुति सुनकर दर्शक मुस्कुराते व हंसते रहे। उन्होंने धर्मेंद्र, अमरीश पुरी, अमिताभ बच्चन, परेश रावल, नाना पाटेकर, अजय देवगन, नवाजुद्दीन सिद्दीकी, गुलशन ग्रोवर, राजपाल यादव, कूलभूषण खरबंदा, शाहरुख खान, सलमान खान, अक्षय कुमार, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह समेत अन्य लोगों की आवाज की नकल कर सभी दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। शिक्षक अविनाश मिश्रा ने भी कामेडी से लोगों का मनोरंजन किया।

लक्ष्मण ने सुपर्णखा के काटे नाक कान

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोला / गोरखपुर। सूपर्णखा वन में श्रीराम से विवाह का प्रस्ताव रखती है। समझाने पर भी नही मानती तो क्रोधित होकर लक्ष्मण सूपर्णखा के नाक–कान काट देते हैं। रावण तिलमिलाकर माता सीता का हरण कर ले जाता है। गोला क्षेत्र के रामपुर बघौरा में चल रही रामलीला में मंगलवार की रात इसका सुंदर मंचन किया गया। श्री रामलीला सेवा समिति रामपुर बघौरा द्वारा रामलीला के मंचन का शुभारम्भ मां शक्ति स्वरुपा दुर्गा जी की आरती कर किया। राम लक्ष्मण सीता सहित वन चले जाते हैं। जब भरत को यह पता चलता है तो वह माता केकैयी के पास जाते हैं और उन्हें बुरा भला बोलते हैं। कहते हैं मुझे राज्य नहीं चाहिए मुझे भाई राम चाहिए। तब माता केकैयी बताती है कि मन्थरा ने उन्हें भड़का दिया था। भरत भगवान राम को ढूंढने के लिए वन की और चले जाते हैं, जहा भगवान मिलते हैं और भरत कहते हैं कि भैय्या आप अयोध्या चलकर राजकाज संभाले। श्री राम के समझाने पर भरत भगवान राम की खड़ाऊ सिर पर लेकर अयोध्या वापस आते हैं और राजगद्दी पर खडाऊ रखकर राजकाज में लग जाते हैं। उधर वन में सूपर्णखा राम लक्ष्मण और सीता को देख लेती है, और राम को देख कर मोहित होते हुए कहती है कि आप मुझसे विवाह कर ले। श्री राम सूपर्णखा को बहुत समझाते हैं, लेकिन सूपर्णखा अपनी बात पर अड़ी रहती है अंत में लक्ष्मण क्रोधित हो जाते हैं और सूपर्णखा के नाक–कान काट देते हैं। तब वह अपने भाई रावण के पास जाती है। रावण यह देखकर क्रोधित होता है और छल से माता सीता का हरण कर लंका ले जाता है।

कार चालक की कैंची से गोदकर हत्या

दैनिक बुद्ध का संदेश

महराजगंज। नौतनवा थाना क्षेत्र में सोमवार की देर रात एक टैक्सी चालक की उसी के कार में अज्ञात बदमाश द्वारा निर्मम तरीके से धारदार हथियार से गोदकर हत्या कर दी गई। घटना की सूचना के बाद पूरे इलाके में हड़कंप मच गया है। वही मौके पर पुलिस के आला अधिकारी भी पहुंच गए है। पुलिस ने कार से एक बैग कुछ कागजात सहित कैंची का टुकड़ा भी बरामद किया, कार में मिले साक्ष्य के आधार पर अज्ञात बदमाश को पकड़ने के लिए पुलिस की कई टीमों को लगाया गया है। जानकारी के मुताबिक जनपद के कोल्हुई थाना क्षेत्र निवासी टैक्सी चालक श्रवण पाठक गोरखपुर से एक पैसेंजर को बिठाकर नौतनवा की तरफ चला था। लगभग रात 10 बजे टैक्सी ने नौतनवा टोल प्लाजा क्रॉस किया था। जिसमें आगे की सीट पर चालक के अलावा एक अन्य व्यक्ति बैठा दिखाई दिया था। कुछ ही देर बाद नौतनवा–ठूठीबारी मार्ग पर पुरैनिहा गांव के समीप ग्रामीणों को सड़क किनारे खड़ी कार में खून से लथपथ चालक दिखाई दिया। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस घायल चालक को अस्पताल ले गई। जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। एसपी ने बताया कि कार से एक लावारिस बैग बरामद हुआ है। जिसमें कुछ कागजात, आईडी सहित कैंची का टुकड़ा बरामद हुआ है। कार में मिले साक्ष्यों के आधार पर आरोपी की तलाश के लिए पुलिस की कई टीमों का गठन कर तलाश शुरू कर दी गई है। जल्द ही घटना का खुलासा किया जाएगा।

बांसगांव दुर्गा मंदिर में रक्त खून चढ़ाने की है अनोखी परंपरा

दैनिक बुद्ध का संदेश

बांसगांव / गोरखपुर। गोरखपुर के बांसगांव तहसील में स्थित दुर्गा

मंदिर में श्रीनेत वंशज क्षत्रिय शारदीय नवरात्र में नवमी के दिन मां दुर्गा के चरणों में रक्त चढ़ाते हुए।यह अद्भुत परंपरा 300 साल से चल आ रही है। देश–विदेश में रहने वाले लोग यहां नवमी के दिन आकर मां दुर्गा को अपना रक्त अर्पित करते हैं। खास बात यह है कि यहां नवजात शिशु (बरही बाद) एक जगह से (ललाट से) तथा विवाहित पुरुष नौ जगह का रक्त बेल के पत्ते से पोंछ कर मां दुर्गा के चरणों में अर्पित करते हैं। इसके बाद धूप, अगरबत्ती तथा हवन की राख को श्रद्धालु कटे हुए जगह पर लगाते हैं। पुजारी श्रवण कुमार पाण्डेय ने बताया कि इतने सालों में आज तक किसी को न तो टिटनेस हुआ न कुछ। रक्त अर्पित करने के बाद श्रीनेत वंशीय क्षत्रिय नीरोग एवं खुशहाल रहते हैं। इस अवसर पर नगर पंचायत अध्यक्ष वेदप्रकाश शाही, नवीन सिंह पीयूष, आदित्य शाही, वरदान सिंह, शिवम् सिंह, बिट्टू सिंह, संदीप सिंह आदि श्रीनेत वंशजों ने रक्त अर्पित किया।

खेत मालिक को पता नहीं बेच दी करोड़ों की जमीन

गगहा पुलिस ने छह लोगों के विरुद्धफर्जीवाड़ा का दर्ज किया मुकदमा

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोलाबाजार / गोरखपुर। गगहा थाना क्षेत्र के अंतर्गत मिश्रौली निवासी हरिमेश दुबे की करोड़ों की जमीन भूमाफियाओं ने फर्जी दस्तावेज तैयार कर दूसरे को बेच दिया। घटना की जानकारी के बाद पीड़ित के भाई की शिकायत पर गगहा पुलिस मामले में इस फर्जीवाड़े में संलिप्त छह लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी सहित अन्य धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज कर कार्यवाही शुरू कर दिया है। प्राप्त बिबरण के अनुसार मिश्रौली गांव निवासी शैलेंद्र कुमार दुबे ने पुलिस को लिखित तहरीर देते हुए बताया कि मेरे भाई हरिमेश दुबे अरुणाचल प्रदेश में शिक्षक हैं वह गांव पर नहीं रहते हैं। अपनी संपत्ति की देखरेख की जिम्मेदारी पूर्ण रूप से मेरे ऊपर छोड़ दिए हैं। जब कोई फंक्शन पड़ता है तभी वह आते हैं और चले जाते हैं मुझे गांव में यह सुनने को मिला कि मेरे भाई ने अपनी संपत्ति पूर्ण रूप से बेच दी हैं तो मैं फोन के माध्यम से अपने भाई से बात की तो पता चला कि नहीं हुआ संपत्ति बेची नहीं है तब मैं तहसील और बैंक का चक्कर लगाया पता चला कि फर्जी आधार कार्ड बनवा कर करोड़ों की जमीन बेच दी है क्षेत्राधिकारी बांसगांव के निर्देश पर पुलिस बारह दिन बाद मंटू निवासी सिधुवापार थाना बड़हलगंज, शांति भूषण तिवारी लखनापार थाना बड़हलगंज, बटेर कृष्ण पांडे थाना एकौना, राम छबीले मिश्रा निवासी मिश्रौली थाना गगहा, संत प्रसाद निवासी मिश्रौली थाना गगहा पर मुकदमा धारा 419, 420, 504 ,506 में दर्ज कर गगहा पुलिस कारवाही शुरू कर दिया है।

कार चालक हत्यारे को पुलिस ने 24 घंटे के अंदर गिरफ्तार कर भेजा जेल

दैनिक बुद्ध का संदेश

महराजगंज। सोनौली थाना क्षेत्र में टैक्सी ड्राइवर श्रवण पाठक को गोरखपुर से टैक्सी में बैठे व्यक्ति सुदामा चौधरी द्वारा कैंची से बुरी तरह घायल कर दिया गया तथा घटना को अंजाम देकर फरार हो गया था। घायल टैक्सी ड्राइवर श्रवण को तत्काल रतनपुर सीएचसी उपचार के लिए भेजा गया। जहां डाक्टरों के द्वारा टैक्सी ड्राइवर श्रवण को मृत घोषित कर दिया गया। उक्त घटना की सूचना पर तत्काल संज्ञान लेते हुए पुलिस द्वारा उक्त घटना के सम्बन्ध में थाना सोनौली पर मु0अ0सं0 158ध्22 धारा 302 भादवि पंजीकृत किया गया तथा आरोपी की तलाश में थाना सोनौली पुलिस के साथ नौतनवा पुलिस व एसओजी टीम व स्वाट टीम भी लगी थी। जिसके परिणामस्वरुप अभियुक्त सुदामा चौधरी पुत्र बाबूराम चौधरी नि0 कोटही माई गांव पालिका वार्ड नं0 3 नौडिहवां थाना मझगांवा जिला रुप्पनदेही राष्ट्र नेपाल को 12 घण्टे से भी कम समय में हरदीडाली तिराहे से गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार अभियुक्त से पूछताछ में पता चला कि अभियुक्त मानसिक रुप से परेशान था तथा छोटी सी बात पर क्षुब्ध होकर पास पड़ी कैंची से चालक श्रवण पाठक पर हमला कर दिया था। अभियुक्त की निशानदेही पर रक्त रंजीत कपड़े को भी बरामद किया गया है जिसको घटना को अंजाम देते समय अभियुक्त द्वारा पहना गया था। अभियुक्त को गिरफ्तार कर अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है। वही आरोपी को गिरफ्तार करने में पुलिस अधीक्षक डाक्टर कौस्तुभ के दिशा–निर्देश में महेन्द्र यादव थानाध्यक्ष थाना सोनौली मय हमराह, प्रभारी निरीक्षक नौतनवा सुनील कुमार राय मय हमराह, एसओजी प्रभारी स्वतंत्र कुमार सिंह मय टीम, उ0नि0 उमेश कुमार प्रभारी स्वाट टीम महराजगंज, का0सुधीर कुमार यादव सर्विलांस सेल महराजगंज, चौकी इंचार्ज दुर्गेश सिंह का अहम योगदान रहा।

श्रीराम का संदेश पाकर भावुक हुई मां जानकी, वानर सेना ने समुद्र में बांधा सेतु

दैनिक बुद्ध का संदेश

रेणुकूट/सोनभद्र। हिण्डाल्को रामलीला परिषद् द्वारा हिण्डाल्को रामलीला मैदान पर आयोजित हो रही रामलीला के छठे दिन सीता हरण, शबरी भक्ति, राम–सुग्रीव मित्रता, बाली वध, सीताजी की खोज और लंका दहन आदि लीलाओं तथा सातवें दिन विभिषण शरणागत, सेतु बंधा रामेश्वरम् एवं रावण मन्दोदरी वार्तालाप आदि लीलाओं का बहुत ही सजीवता से मंचन कलाकारों द्वारा किया गया। छठे दिन की लीलाओं में लक्ष्मणजी द्वारा शूर्पनखा की नाक काट लेने पर शूर्पनखा अपने भाई रावण के दरबार पहुंच कर सीताजी की सुन्दर रूप का बखान करते हुए उनके हरण के लिए उकसाती है तब रावण अपने मामा मारीच के साथ वन में पहुंचते है और मारीच स्वर्ण मृग बन कर सीताजी को रिझाते है और सीताजी की जिद पर श्रीराम मृग पकड़ने उसके पीछे दौड़ते है। मारीच अपने मायाजाल से लक्ष्मण को श्रीराम की मदद को विवश कर देते और सीताजी के आग्रह पर लक्ष्मण रेखा खींच कर श्रीराम की मदद को चल देते है। मौका पाकर साधू वेश में रावण सीताजी का हरण कर लेते है और आकाश मार्ग से लंका की ओर ले चलते है। रास्ते में जटायू उन्हें भरसक रोकने का प्रयास करते है और रावण के प्रहार से मरनासन्न होकर धरती पर गिर जाते है। उधर कुटिया में लौटकर सीताजी को न पाकर दोनो भाई उन्हें ढूढ़ने निकलते है तब रास्ते में जटायू से उन्हें रावण द्वारा सीताजी के हरण की जानकारी मिलती है। आगे चलकर श्रीरामजी सुग्रीव से मिलते है और बाली–सुग्रीव युद्ध में बाली का वध करके सुग्रीव को राजगद्दी सौंप देते है। सुग्रीव व श्रीराम की मित्रता होती है और पूरी वानर सेना, सुसेन, हनुमानजी व सुग्रीव श्रीराम व लक्ष्मण के साथ सीताजी को लंका से लाने के लिए निकल पड़ते है। हनुमानजी सात समुंदर पार करके लंका पहुंच कर अशोक वाटिका में सीता माता से मिलकर

उन्हें श्रीराम का संदेश देते है जिसे पाकर सीताजी भावुक हो उठती है। अंत में हनुमानजी विकराल रूप धारण करके पूरे लंका को तहस–नहस करते हुए आग लगा देते है और इसी के साथ छठे दिन की लीलाओं का समापन होता है। इससे पूर्व मुख्य अतिथि सेफ्टी हेड– मुकेश मित्तल, इंडस्ट्रियल इंजीनियरिंग हेड– संजीव गुप्ता, हिमांशु श्रीवास्तव, सुरेंद्र कुमार आदि ने गणेश पूजन कर छठें दिन की लीलाओं का शुभारंभ किया। वहीं सातवें दिन की लीलाओं में माता सीता को श्रीराम को ससम्मान लौटाने हेतु भ्राता विभिषण रावण से प्रार्थना करते है परन्तु अपने दंभ में चूर रावण को अपने छोटे भाई की बाते नागवार गुजरती है और विभिषण को लात मारकर लंका से निकाल देते है। तब विभिषण प्रभु राम की शरण में जाते है जहां श्री राम उन्हें रावण को वधा कर लंका का राजा बनाने का वचन देते है। इसके पश्चात् सेतुबंध रामेश्वरम् की लीलाओं में भगवान श्रीराम की वानर सेना लंका पर चढ़ाई हेतु सागर किनारे इकट्ठी होती है परंतु भीषण सागर को देख कर सब चिंता में पड़ जाते है तब श्रीराम शिवलिंग की स्थापना करके भगवान शिव की आराधना करते हैं और सागर का यह तट रामेश्वरम् के नाम से प्रसिद्ध हो जाता है। इसके उपरांत नल–नील व वानर सेना के सहयोग से श्रीराम के जयकारे के साथ समुद्र में सेतु बांधते हैं और लंका की ओर प्रस्थान करते है। उधर मन्दोदरी समुद्र में सेतु बंध जाने व श्रीराम द्वारा लंका पर चढ़ाई की बात सुन कर व्याकुल हो उठती है और रावण को समझाने का प्रयास करती है परंतु दिग्भ्रमित व अपने दंभ में चूर रावण मन्दोदरी की बात नही सुनते और युद्ध की तैयारी में जुट जाते है और इसी के साथ सातवें दिन की लीलाओं का समापन होता है। इससे पूर्व सीआईएसएफ के डिप्टी कमांडेन्ट मुकेश कुमार, हिण्डाल्को हॉस्पिटल के सीएमओ भास्कर दत्ता एवं डॉ. राजीव रंजन आदि ने गणेश पूजन कर सातवें दिन की लीलाओं का शुभारंभ कराया।

होम्योपैथिक चिकित्सा की ओर लोगों का बढ़ रहा है रुझान–डॉ जे एन तिवारी

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। जनपद मुख्यालय के समीप मुसहीं (चुर्क) स्थित फोर एस होम्योपैथी फार्मेसी कॉलेज ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती पर कालेज परिसर में निशुल्क होम्योपैथिक चिकित्सा शिविर का आयोजन कर इतिहास रचने का कार्य किया है। बता दें कि चिकित्सा शिविर के शुभारंभ के पूर्व राष्ट्रपिता के चित्र पर माल्यार्पण एवं मां सरस्वती की आराधना के साथ ही गांधी जी के प्रिय भजन रघुपति राघव राजा राम का सामूहिक गायन कर संस्थान के कोआर्डिनेटर द्वारा महात्मा गांधी के कृतित्व व्यक्तित्व से ग्रामीण जनजीवन को सीख देने की प्रेरणा दी गई। इस दौरान उन्होंने यह भी कहा कि बापू के कथन आज भी प्रासंगिक एवं राष्ट्रहित में अनुकरणीय हैं। संस्थान के निदेशक डॉ. जे. एन. तिवारी ने हमारे संवाददाता सेब बातचीत करते हुए बताया कि निशुल्क होम्योपैथिक शिविर में सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण नर–नारियों ने पहुंच कर योग्य चिकित्सकों द्वारा अपने स्वास्थ्य का परीक्षण कराते हुए रोग से निजात पाने हेतु निशुल्क दवाएं प्राप्त की गई। डॉ तिवारी ने यह भी बताया कि कॉलेज के चिकित्सकों द्वारा प्रतिदिन निशुल्क दवाएं ग्रामीण जनों को उपलब्ध कराई जाती हैं। इसे और स्पष्ट करते हुए उन्होंने कहा कि केवल पेटेंट एवं फॉर्मूलेशंस के नाम मात्र के शुल्क रोगियों से लिए जाते हैं, जबकि उनका उपचार निशुल्क किया जाता है। उन्होंने यह भी बताया है कि सोनभद्र जैसे आदिवासी बाहुल्य जनपद में यह होम्योपैथी फार्मेसी कॉलेज अपने आप में इतिहास रचने का काम कर रहा है क्योंकि अब बिना प्रचार प्रसार के उपरोक्त चिकित्सा पद्धति की ओर लोगों का रुझान दिनोंदिन बढ़ता जा रहा है और कॉलेज में दवाएं प्राप्त करने हेतु मरीजों की संख्या में भी इजाफा होता जा रहा है। क्षेत्रीय ग्रामीणों के अतिरिक्त उक्त कालेज में जनपद के विभिन्न क्षेत्रों से प्रबुद्ध नागरिकों का भी जुड़ाव दिनों दिन बढ़ता जा रहा है।

■ फोर एस होम्योपैथिक फार्मेसी कॉलेज परिसर में लगा निशुल्क चिकित्सा शिविर
■ योग्य चिकित्सकों द्वारा सैकड़ो रोगियों के स्वास्थ्य का परीक्षण कर दी गई दवाएं

इसरा संगठन एंव युवा भारत ट्रस्ट ने दी सरकारी योजनाओं की जानकारी

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। इसरा संस्थान, नई दिल्ली एंव युवा भारत ट्रस्ट के द्वारा सदर ब्लॉक के सेंधुरी ग्राम पंचायत के पंचायत भवन पर ग्रामीणों को सरकार के द्वारा चलाई जा रही विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सदर उपजिलाधिकारी रमेश कुमार ने ग्रामीणों को सरकारी योजनाओं को बताया। उन्होंने आयुष्मान कार्ड योजना,वृद्धा,विधवा,दिव्यांग पेंशन एंव पारिवारिक योजना के लाभ के बारे में ग्रामीणों को बताया। उपजिलाधिकारी ने ग्रामीणों से कहा कि यदि योजनाओ का लाभ ग्रामीणों नही मिल पा रहा है वो उनके कार्यालय पहुंचकर अपनी समस्या से अवगत कराएं। उन्होंने कहा कि हमारा प्रयास है कि सरकार के द्वारा चलाई जा रही योजनाओ को पात्र व्यक्तियों तक पहुंचाए और योजनाओ से कोई भी वंचित ना रह पाए। उपजिलाधिकारी ने युवा भारत द्वारा किये जा रहे रचनात्मक एंव जनहित के कार्यों की सराहना की। वहीं कार्यक्रम आयोजक युवा भारत ट्रस्ट के डिस्ट्रिक्ट क्वार्डिनेटर चन्द्रभान गुप्ता ने बताया कि सरकारी योजनाओं के शिविर में इसरा संस्थान एंव युवा भारत के द्वारा बीस ग्रामीणों का निशुल्क

पैन कार्ड बनाया गया,वहीं तीस ग्रामीणों का पीवीसी आधार कार्ड आवेदन किया गया।दस ग्रामीणों का आधार कार्ड संसोधन किया गया। युवा भारत के राष्ट्रीय अध्यक्ष सौरभ कांत पति तिवारी ने कहा कि हमारा प्रयास है कि सरकारी योजनाओं से कोई भी पात्र व्यक्ति वंचित ना रहे इसलिए हम गांव–गांव जाकर ग्रामीणों को सरकार के द्वारा चलाई जा रही जनकल्याणकारी योजनाओं से अवगत कराएंगे और अपनी स्थानीय टीम के माध्यम से पात्र व्यक्तियों को योजनाओ का लाभ दिलवाएंगे।योजना संचालक सन्तपति मिश्रा,इमरान अंसारी एंव ओम प्रकाश पटेल ने कहा कि इसरा संगठन के महाप्रबंधक अभिषेक अग्रवाल ने डिजिटल प्लेटफार्म पर हमें जागरूक कर रहे है।जिससे हम ग्रामीणों को ज्यादा से ज्यादा जागरूक कर सके और ऑनलाइन ठगी से बचाये। उन्होंने कहा कि अभी भी ग्रामीण क्षेत्रों के लोग ऑनलाइन पेमेंट के बारे में नही जानते जिससे ज्यादा से ज्यादा लोग कैश में लेन–देन करते हैं जिससे उनके बैंक का ट्रांजक्शन नही हो पाता इस कारण उन्हें बैंक भी लोन नही दे पाता। इसलिए हम गांवो को डिजिटल बनाने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमारे देश के यशस्वी प्रधानमंत्री भी देश को डिजिटल प्लेटफार्म पर ले जाने के लिए प्रयासरत है। बस हमे जरूरत है कि हम उनके प्रयास को आगे ले जाएं। कार्यक्रम की अध्यक्षता ग्राम प्रधान प्रतिनिधि कन्हैया ने की। उक्त अवसर पर परमेश्वर मिश्रा, अजय वर्मा, सुरेन्द्रनाथ, प्रदीप, अवधेश मिश्रा, राहुल, अनिल मौर्या, शमशाद, कैलाश, कुसुम, देवेंद्र नाथ आदि लोग उपास्थि रहे।

आदित्य बिड़ला पब्लिक स्कूल रेणुकूट की स्वर्णिम वर्षगांठ पर उत्सव का आयोजन

दैनिक बुद्ध का संदेश

रेणुकूट/सोनभद्र। हिंडाल्को इंडस्ट्रीज लिमिटेड रेणुकूट द्वारा संचालित आदित्य बिड़ला पब्लिक स्कूल रेणुकूट के 50 वर्ष पूर्ण होने पर स्वर्णिम वर्षगांठ उत्सव का आयोजन किया गया। जिसमें विभिन्न प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रमों का प्रस्तुतिकरण किया गया। स्वर्णिम उत्सव के इस अवसर पर हिण्डाल्को के मुखिया एवं मुख्य अतिथि एन नागेश, विशिष्ट अतिथि हिण्डाल्को मानव संसाधन प्रमुख जसबीर सिंह, हिण्डाल्को विद्यालय प्रबंधक वनिता वासनिक, रिडक्शन हेड जेपी नायक, अल्युमिना हेड एन. एन. रॉय, कॉमर्शियल हेड रवि गुप्ता, लीगल हेड विवेक कुमार, एबीआईसी रेणुकूट के प्राधानाचार्य दयानन्द शुक्ला एवं हिण्डाल्को पब्लिसिटी व एडमिन हेड यशवंत कुमार का पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया गया। दीप प्रज्ज्वलन के पश्चात उंचाइयों, उपलब्धों एवं उल्लास के प्रतीक सतरंगी गुब्बारे को उड़ाकर उत्सव–कार्यक्रम प्रारंभ हुआ। कार्यक्रम में विद्यार्थियों द्वारा सामूहिक प्रार्थना–गीत व सामूहिक नृत्य की मनोहारी प्रस्तुति दी गई। विद्यालय की प्रधानाचार्या डेफनी अंगर के दिशा–निर्देशन में नाट्य रूपांतरण के माध्यम से विद्यालय के बीते 50 वर्ष के कालखंड की उत्तरोत्तर गतिविधियों को दर्शाया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने अपनी सृजनात्मकता के आधार पर नाट्य मंचन के माध्यम से पचास वर्ष के विद्यालय की प्रगति व कार्यप्रणाली को बेहद मनमोहक रूप से प्रदर्शित किया गया।

विद्यालय की 50 वर्ष की इस यात्रामयी प्रस्तुति की नागेश ने भूरि–भूरि प्रशंसा करते हुए विद्यार्थियों के उज्जवल भविष्य की कामना की। प्रधानाचार्या अंगर ने मुख्य अतिथि सहित सभी पदाधिकारियों के साथ–साथ सभी सहयोगियों व विद्यार्थियों को कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए तहे दिल से आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में हिण्डाल्को के वरिष्ठ अधिकारियों सहित स्कूली बच्चों के अभिभावक, शिक्षक, कर्मचारी व विद्यार्थी उपस्थित रहे। इसके पश्चात् विद्यालय में नवीनीकृत पुस्तकालय का भी शुभारंभ नागेश ने फीता काटकर किया।

बुद्ध का संदेश
(हिन्दी दैनिक समाचार पत्र)
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती पुष्पा शर्मा द्वारा बुद्धा प्रिन्टर्स , ज्योति नगर मधुकरपुर, निकट–हीरो होण्डा एजेन्सी, जनपद–सिद्धार्थनगर (उ0प्र0) 272207 से मुद्रित एवं प्रकाशित।
आर.एन.आई. नं.–UPHIN/2012/49458
संस्थापक
स्व. के.सी. शर्मा
सम्पादक
राजेश कुमार शर्मा
9415163471, 9453824459
दैनिक बुद्ध का संदेश
9795951917,9415163471
@budhakasandesh
budhakasandeshnews@gmail.com
www.budhakasandesh.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी.एक्ट. के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन समस्त विवाद जनपद–सिद्धार्थनगर न्यायालय के अधीन ही मान्य होगा।

जनपद सिद्धार्थनगर के महत्वपूर्ण नम्बर

जिलाधिकारी	मो0:– 9454417530
मुख्य विकास अधिकारी	मो0:– 9454464749
एस डीएम नौगढ़	मो0:– 9454415936
एस डीएम बांसी	मो0:– 9454415937
एस डीएम डुमरियागंज	मो0:– 9454415939
एस डीएम इटवा	मो0:– 9454415939
एस डीएम शोहरतगढ़	मो0:– 9454415940
पुलिस अधीक्षक	मो0:– 9454400305
थाना मोहाना	मो0:– 9454404239
थाना जोगिया उदयपुर	मो0:– 9454404235
थाना गोलौरा	मो0:– 9454404233
थाना पथरा बाजार	मो0:– 9454404240
थाना त्रिलोकपुर	मो0:– 9454404243
थाना उसका बाजार	मो0:– 9454404244
थाना शोहरतगढ़	मो0:– 9454404241
थाना खेसरहा	मो0:– 9454404236
थाना इटवा	मो0:– 9454404234
थाना चिल्हिया	मो0:– 9454404229
थाना ढेबरूआ	मो0:– 9454404230
थाना भवानीगंज	मो0:– 9454404228
थाना मिश्रौलिया	मो0:– 9454404238
थाना सि0नगर	मो0:– 9454404242
थाना डुमरियागंज	मो0:– 9454404232
थाना लोटन	मो0:– 9454404237
महिला थाना	मो0:– 9454404891

राष्ट्रीय दैनिक
बुद्ध का संदेश

प्राईवेट अस्पताल में फिर गई जच्चा बच्चा की जान,प्रशासन की लापरवाही आई सामने

अल्ट्रासाउंड मशीन सील,अस्पताल के जिम्मेदार भागे

दैनिक बुद्ध का संदेश

बांसी/सिद्धार्थनगर। नगर की सीमा पर सोनखघर गाँव के पास चल रहे सेवा अस्पताल में जिम्मेदारों की लापरवाही से मंगलवार को प्रसव के समय जच्चा बच्चा दोनो की मौत हो गयी है। इसके बाद परिजनो ने अस्पताल में जमकर हंगामा किया। हंगामा होता देख अस्पताल के जिम्मेदार भाग गए। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर अस्पताल को सील कर दिया है। मृतका 35 वर्षीय सरिता पत्नी लवकुश गोल्हौरा थाना क्षेत्र के पचहर गाँव की निवासी थी जिसे प्रसव के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया था। घटना की सूचना मिलते ही भारी संख्या में पुलिस अस्पताल में पहुँच गयी। वही शान्ति ब्यवस्था के लिए आधा दर्जन थाने की पुलिस बल को अस्पताल के आसपास तैनात कर दिया हुआ है। घटना के बाद एसडीएम बांसी प्रमोद कुमार और सीएचसी अधीक्षक बसन्तपुर डॉ राजीव रंजन ने पहुंच कर देखा तो अवैध तरीके से अल्ट्रासाउंड मशीन लगा था जिसे सील कर दिया गया। परिजनों का आरोप है कि मरीज को एडमिट करने से पहले तीस हजार रुपया अस्पताल के जिम्मेदार जमा करा लिए थे। वहीं मीडिया से बात करते हुए परिजन ने बताया कि आज सुबह मरीज को भर्ती किए और तुरन्त मोटी रकम जमा करवा लिए अधीक्षक ने बताया कि सूचना मिलते ही हम लोग आए और देखा गया अस्पताल को सील कर दिया गया हैं। उन्होंने कहा कि अस्पताल के जिम्मेदारों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कार्यवाही होगी। एसडीएम प्रमोद कुमार ने बताया कि सेवा हॉस्पिटल पर जच्चा बच्चा की मौत हुई हैं अस्पताल को सील कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि अभीतक कोई गिरफ्तारी नही हुई हैं क्षेत्र में जो भी अबैध हॉस्पिटल चल रहे हैं उन पर कार्यवाही की जाएगी। तब जाकर परिजनों का आक्रोश कम हुआ।

करमा रामलीला में राममनावन से सुर्पड़खा नासिका भंग,सीता हरण तक का हुआ लीला मंचन

दैनिक बुद्ध का संदेश

करमा/सोनभद्र। करमा रामलीला में राममनावन, सुर्पड़खा नासिका भंग, खर दूषण बध, सीता हरण की लीला दिखाई गयी सीता बिलाप देख नम हुई लोगों की आखें रावण, राम लक्ष्मण, सूर्पनखा का अभिनय सराहनीय रहा रामलीला में पधारे मुख्य अतिथि ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि राम अधार कोल ने भगवान की उतारी आरती पूरा पांडाल राम नाम से गूंज पड़ा उक्त अवसर पर समिति के सभी पदाधिकारी पात्र बन्धु उपस्थित रहे कार्यक्रम का संचालन संचालक इन्द्रजीत शुक्ल ने किया।

बालों की सही देखभाल के लिए पता होना चाहिए उनका प्रकार, जानिए कैसे हैं आपके बाल

अमूमन आपने विशेषज्ञों को यह कहते हुए सुना होगा कि बालों के प्रकार के अनुसार ही हेयर केयर प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करना चाहिए। उसके बाद ही उनसे बालों को फायदा होता है। इसके लिए सबसे पहले जरूरी है कि आपको अपने बालों का प्रकार पता हो। आइए हम आपको पांच तरह के बालों के प्रकार के बारे में बताते हैं ताकि आप उसी के हिसाब से अपने बालों की सही देखभाल कर सकें।

सीधे बाल

कई महिलाएं सीधे बाल पाने के लिए हेयर रिबॉन्डिंग या फिर हेयर स्मूदनिंग जैसे ट्रीटमेंट्स का सहारा लेती हैं, लेकिन कुछ ऐसी भी होती हैं जिनके बाल कुदरती सीधे होते हैं। सीधे बाल भी तीन प्रकार के होते हैं। इनमें महीन, पतले और मोटे बाल शामिल हैं। सीधे बालों को पोषण देने के लिए हमेशा सोडियम मुक्त माइल्ड शैंपू का इस्तेमाल करना चाहिए। इसके साथ ही चौड़े दांतों वाली कंघी के इस्तेमाल से उन्हें उलझने से बचाया जा सकता है।

वेवी बाल

अगर आपके बाल लहराते हुए यानी इन पर एस बनता है तो ये वेवी प्रकार के बाल होते हैं। वेवी बालों को धोने के बाद कंडीशनर का इस्तेमाल जरूर करें। यह आपके बालों को सीधा और स्मूद बनाता है और इससे बालों में स्टाइलिंग करना भी आसान हो जाता है। वहीं, किसी भी तरह की हेयर स्टाइलिंग के लिए अपने हाथों पर थोड़ी सी हेयर स्टाइलिंग क्रीम लें और उसे अपने बालों पर लगाएं।

घुंघराले बाल

घुंघराले बाल सी आकार के होते हैं और ऐसे बाल हर किसी को आकर्षित करते हैं। हालांकि, घुंघराले बालों की देखभाल करना आम बालों की अपेक्षा थोड़ा मुश्किल होता है। अगर घुंघराले बालों वाली महिलाएं यह चाहती हैं कि उनको हेयर स्टाइलिंग में कोई परेशानी न हो तो उन्हें स्टाइलिंग से पहले अपने बालों को हाइड्रेटिंग शैंपू से धोना चाहिए। यह बालों को अच्छे से साफ करने के साथ–साथ उन्हें भरपूर पोषण देने में भी मदद करेगा।

कॉयल हेयर

ये बाल आमतौर पर सीधे, लहरदार और घुंघराले की तुलना में अधिक नाजुक होते हैं। इसका कारण है कि इनमें अपेक्षाकृत कम परतें होती हैं। कॉयल बालों को तीन भागों में बांटा गया है, जिन्हें टाइप 4 ए, टाइप 4 बी और टाइप 4 सी के नाम से जाना जाता है। ये बाल प्राकृतिक रूप से बहुत घुंघराले होते हैं और इनकी अतिरिक्त देखभाल करना महत्वपूर्ण है।

लोक्स बाल

लोक्स या ड्रेडलॉक बाल वाले लोग 1800 ईसा पूर्व में भारत में दिखाई दिए, जबकि अफ्रीका में ये पहली बार 500 ईसा पूर्व में दिखाई दिए। यह रस्सी की तरह दिखते हैं जिनमें ब्रेडिंग स्टाइलिंग ज्यादा की जाती है। इस प्रकार के बालों को संवारने में काफी समय और मेहनत लगती है। इसके अतिरिक्त, इन बालों की सफाई करना और सुलझाना सामान्य बालों की तुलना में थोड़ा मुश्किल होता है।

सामने आया टीवी की संस्कारी बहू शाइनी दोषी का असली अवतार, दिल थामकर देंखे तस्वीरें

टीवी के चर्चित सीरियल पंड्या स्टोर में धरा का किरदार निभाने वाली अभिनेत्री शाइनी दोषी सोशल मीडिया पर बहुत एक्टिव रहती हैं। वो आए दिन सोशल मीडिया पर अपनी बोल्ड फोटोज और वीडियो के चलते खब्बरों में बनी रहती है। वही हाल

ही में शाइनी दोषी ने सोशल मीडिया पर थ्रोबैक फोटो शेयर की है। जिसमें वो पर्पल कलर की प्रिन्टेड बिकिनी पहनकर कैमरे पर दिलकश पोज देते हुए दिखाई दे रही हैं। इसके अतिरिक्त शाइनी दोषी ने एक और तस्वीर सोशल मीडिया पर शेयर की है। इस तस्वीर में शाइनी दोषी हस्बैंड के साथ खुलेआम लिपलॉक करती हुई नजर आई। इस फोटो में धरा रिवीलिंग ऑउटफिट पहने नजर आई तो वहीं उनके पति शर्टलेस लुक में नजर आए। इस लिपलॉक की फोटो को धरा ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम पर साझा किया जो देखते ही देखते वायरल हो रही है। वही ऐसा पहली बार नहीं है कि शाइनी दोषी ने इस प्रकार की बोल्ड फोटो पहली बार ऑफिशियल इंस्टाग्राम पर शेयर की हो। इससे पहले भी टेलीविजन की ये संस्कारी बहू अपनी इमेज को तोड़ते हुए कई बार बिकिनी से लेकर रिवीलिंग ड्रेस की तस्वीरें शेयर कर चुकी हैं। आपको बता दें, शाइनी दोषी पंड्या स्टोर सीरियल में घर की बड़ी बहू की भूमिका निभाती हैं। इसमें दिखाया गया है कि धरा के बच्चे नहीं है और वो मां बनना चाहती है।

इमरजेंसी में बाबू जगजीवन राम की भूमिका निभाएंगे अभिनेता सतीश कौशिक

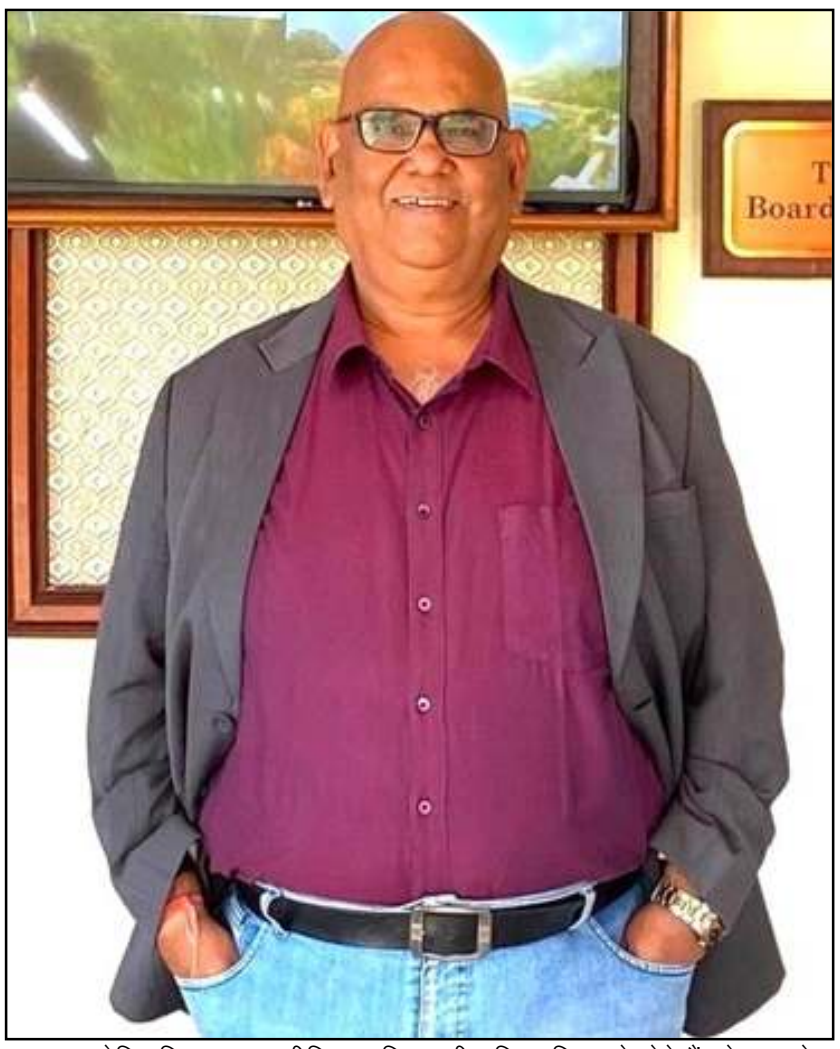

अभिनेता सतीश कौशिक को आगामी फिल्म इमरजेंसी में कार्यकर्ता और राजनेता जगजीवन राम की भूमिका निभाने के लिए चुना गया है। इस फिल्म में अभिनेत्री कंगना रनौत पूर्व भारतीय प्रधान मंत्री इंदिरा गांधी की भूमिका निभा रही हैं। सतीश कौशिक के फिल्म के कलाकारों में शामिल होने के बारे में बात करते हुए, कंगना कहती हैं, जगजीवन राम एक बहुत लोकप्रिय नेता थे। अपने समय के सबसे प्रिय और सम्मानित नेताओं में से एक। जब श्रीमती गांधी ने आपातकाल में ढील देने के उनके अनुरोध को अस्वीकार कर दिया, तो उन्होंने कांग्रेस छोड़ दी और फिर उसके गंभीर परिणाम निकले।

यही उनकी प्रासंगिकता थी। मुझे इस भूमिका के लिए किसी ऐसे व्यक्ति की आवश्यकता थी जिसमें उनकी ताकत, उनकी बुद्धि और कटाक्ष हो। सतीशजी इस भूमिका के लिए एक स्पष्ट पसंद थे। मैं एक अभिनेता के रूप में उनके साथ अपने □श्यों की प्रतीक्षा कर रही हूं। अभिनेत्री द्वारा निर्देशित, फिल्म के अभिनेताओं की श्रृंखला जबरदस्त है। अनुपम खेर क्रांतिकारी नेता जेपी नारायण, श्रेयस तलपड़े दिवंगत राजनेता अटल बिहारी वाजपेयी की भूमिका निभाते नजर आएंगे, महिमा चौधरी लेखक पुपुल जयकर की भूमिका निभाते नजर आएंगे, मिलिंद सोमन फील्ड मार्शल सैम मानेकशॉ की भूमिका निभाएंगे, विशाक नायर संजय गांधी के रूप में होंगे। इसको लेकर सतीश कहते हैं, जब आप एक ऐतिहासिक या राजनीतिक व्यक्तित्व की भूमिका निभा रहे होते हैं, तो आपको वास्तव में उस व्यक्ति के बारे में बहुत अध्ययन और शोध करना पड़ता है, जिसे आप निभा रहे हैं। भारत के पूर्व रक्षा मंत्री बाबू जगजीवन राम जी की भूमिका निभाना एक शानदार एहसास होगा। यह मेरे निर्देशक, कंगना रनौत की मदद के बिना संभव नहीं होता, जो बहुत ही शांत और शानदार है। मणिकर्णिका फिल्म्स इमरजेंसी बना रही है, जिसे कंगना रनौत ने लिखा और निर्देशित किया है। फिल्म का निर्माण रेणु पिट्टी और कंगना रनौत ने किया है। पटकथा और संवाद रितेश शाह के हैं।

ऋतिक–सैफ की फिल्मविक्रम वेधा ने पकड़ी रफ्तार

ऋतिक रोशन और सैफ अली खान की फिल्म विक्रम वेधा बॉक्स ऑफिस पर हल्की शुरुआत करने के बाद अब अब रफ्तार

पकड़ ली है। विक्रम वेधा की भले ही धीमी रफ्तार से शुरुआत हुई। लेकिन रविवार को फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छी बढ़त ली। फिल्म ने तीसरे दिन अच्छा कलेक्शन किया। शुरुआती अनुमानों के मुताबिक, ऋतिक रोशन और सैफ अली खान की फिल्म ने पहले रविवार (2 अक्टूबर) को करीब 14.50 करोड़ रुपये की दमदार कमाई की है। इससे पहले शनिवार को फिल्म ने 12.51 करोड़ रुपये की कमाई की थी। इसी के साथ फिल्म ने 3 दिनों में लगभग 37. 59 करोड़ रुपये का कारोबार कर लिया है। फिल्म ने वीकेंड में रफ्तार जरूर पकड़ी है लेकिन सोमवार इसके रास्ते का सबसे बड़ा स्पीड ब्रेकर है। फिल्म ने रिलीज के पहले दिन 10.58 करोड़ ही कमाए थे। लेकिन अच्छी बात ये है कि फिल्म अगले दो दिनों में रफ्तार पकड़ ली। अब देखते हैं आने वाले दिनों में फिल्म बॉक्स ऑफिस पर क्या धमाल मचाती है। विक्रम वेधा का क्लैश मणिरत्नम के ड्रीम प्रोजेक्ट पोन्नियिन सेल्वन से हो रहा है। विक्रम वेधा तमिल फिल्म की हिंदी रीमेक है। तमिल वर्जन साल 2017 में रिलीज हुआ था। ये एक एक्शन–थ्रिलर है, जबकि पोन्नियिन सेल्वन चोल साम्राज्य के स्वर्णिम इतिहास को दिखाती एक पैन इंडिया फिल्म है। मूवी को काफी रिसर्च के बाद बड़े बजट में बनाया गया है। अब देखते हैं कौन सी फिल्म किसपर भारी पड़ती है।

रात में सोने से पहले नाभि में डाले गुलाब जल, होंगे ये बेहतरीन फायदे

गुलाब का फूल कई लोगों को पसंद होता है और ठीक इसी तरह गुलाबजल सभी इस्तेमाल करते हैं। गुलाब जल स्किन के लिए काफी फायदेमंद माना जाता है। जी हाँ और गुलाब जल के इस्तेमाल से त्वचा से जुड़ी कई समस्याएं खत्म होती हैं इसी के साथ ही स्किन ग्लोइंग और क्लीन नजर आती है। जी दरअसल रेगुलर बेसिस पर चेहरे पर गुलाब जल लगाने से चेहरा आकर्षक नजर आता है। हालॉकि क्या आप जानते हैं गुलाब जल सिर्फ चेहरे पर नहीं बल्कि नाभि पर भी लगाने से भी स्किन को काफी फायदा मिलता है। जी हाँ और सबसे खासकर अगर रात को सोने से पहले नाभि पर गुलाब जल लगाया जाए तो ये स्किन की सभी समस्याओं से राहत दिलाने में मददगार होता है। आइए आपको बताते हैं।

गुलाब जल के पोषक तत्व – जी दरअसल गुलाब जल में एंटी इन्फ्लेमेटरी, एंटी बैक्टीरियल, एंटीमाइक्रोबियल्स और विटामिन सी जैसे तत्व पाए जाते हैं। जो स्वास्थ्य और स्किन दोनों के लिए फायदेमंद माने जाते हैं।

नाभि में गुलाब जल डालकर सोने के फायदे –

चेहरे की गंदगी को खत्म– नियमित तौर पर रात के समय नाभि में गुलाब जल डालकर सोने से स्किन की गंदगी को खत्म करने में मदद मिलती है। जी दरअसल नाभि का सीधा कनेक्शन चेहरे से होता है जब कोई रात में इसमें गुलाब जल डालकर सोता है तो स्किन को अंदर से मॉइश्चर मिलता है। इसी के साथ ये स्किन के बैक्टीरिया को खत्म कर गंदगी को क्लीन करने का काम करता है।

डार्क सर्कल को कम– नींद न पूरी होने की समस्या, थकान, लगातार स्क्रीन देखने के कारण कई लोगों की आंखों के नीचे डार्क सर्कल हो जाते हैं। हालॉकि रात को नाभि में गुलाब जल डालकर सोने से डार्क सर्कल से राहत मिलती है।

सनबर्न में बेहतरीन– गुलाब जल की तासीर ठंडी मानी जाती है और नियमित तौर पर नाभि में गुलाब जल डालकर सोने से सनबर्न की समस्या से राहत पाई जा सकती है। जी दरअसल गुलाब जल में मौजूद पोषक तत्व स्किन को अंदर से हील करने में मदद करते हैं, जिससे सनबर्न से राहत पाई जा सकती है।

एक्ने को खत्म– रात को नाभि पर गुलाब जल की कुछ बूंदें डालकर सोने से एक्ने की समस्या खत्म हो सकती है। इसके अलावा अगर आपके चेहरे पर एक्ने, पिंपल्स और दाग हैं तो रात को रूई की मदद से गुलाब जल नाभि पर लगाएं।